दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-105, भोपाल शुक्रवार 25 फरवरी 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"यदि आपको अपने भीतर से यह आवाज़ सुनाई देती है कि "आप चित्रकारी नहीं कर सकते, तो हर संभव प्रयास करके चित्रकारी करें, तथा वह आवाज़ आनी बंद हो जाएगी।" - विन्सेंट वैन गोफ

रूस-यूक्रेन में जंगः 50 रूसी और 40 यूक्रेनी सैनिकों के मारे जाने का दावा

यूक्रेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगी कहा- आपका रसूख है, रूस से बात करें

मॉस्को/कीव, एजेंसी। लंबे तनाव के बाद रूस ने गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे यूक्रेन पर हमला बोल दिया। अब तक 40 यूक्रेनी सैनिक मारे जा चुके हैं। वहीं, यूक्रेन ने रूस के 50 सैनिकों को मारने और 6 फाइटर जेट्स-टैंक्स तबाह करने का दावा किया। रूस अब तीन तरफ से यूक्रेन पर हमले कर रहा है। उसकी आर्मी यूक्रेन में घुस चुकी है। इधर, नई दिल्ली में यूक्रेन एम्बेसडर मीडिया के सामने आए और पीएम नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार लगाई। अमेरिका और यूरोपीय यूनियन भी सैन्य और आर्थिक हमले की तैयारी में जुट गए हैं। ईयू प्रेसिडेंट उर्सला ने कहा- रूस की इकोनॉमी को तबाह कर दिया जाएगा।

पुतिन का ऐलान और फौरन हमला

इसके पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने नेशनल टेलीविजन पर हमले का ऐलान किया। कहा- रूस और यूक्रेन के बीच किसी ने भी दखल दिया तो अंजाम बहुत बुरा होगा। उनका इशारा अमेरिका और नाटो फोर्सेज की तरफ था। बयान के 5 मिनट बाद ही यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई प्रांतों में 12 धमाके हुए। कीव पर मिसाइल अटैक भी हुआ। वहां एयरपोर्ट बंद कर दिया गया। इस कदम के चलते यूक्रेन में फंसे भारतीयों के रेस्क्यू मिशन भी रोकना पड़ा। यूक्रेन गई एअरइंडिया की फ्लाइट डेंजर जोन अलर्ट के चलते लौट आई है।

हमला कहां और कैसा

यूक्रेन ने कहा- हम पर तीन तरफ से...रूस, बेलारूस और क्रीमिया बॉर्डर की ओर से हमला हुआ है। लुहांस्क, खारकीव, चेरनीव, सुमी और जेटोमिर प्रांतों में हमले जारी हैं। रूस की ग्राउंड फोर्सेस यूक्रेन में घुस गई और वहां कई गांवों पर कब्जा कर लिया। रूस के कमांडो पैराट्रूपर्स यूक्रेन के मिलिट्री इंस्टॉलेशन्स के करीब उतरकर इनको अपने कब्जे में ले रहे हैं। यूक्रेन का दावा है कि उसने रूस के 50 सैनिक मार गिराए हैं। इसके 6 फाइटर जेट्स और 4 टैंक्स तबाह कर दिए हैं।

किसका क्या रुख

अमेरिका- प्रेसिडेंट बाइडेन ने कहा- रूस के खिलाफ दुनिया को एकजुट हो जाना चाहिए। हम किसी भी कीमत पर दुनिया को तबाह नहीं होने देंगे। रूस ने खुद बातचीत का रास्ते बंद किए हैं।

ईयू

यूरोपीय यूनियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सला वान डेर लिन ने पहली बार सामने आकर रूस को खुली धमकी दी है। लिन ने कहा- अब जवाब देने का वक्त आ गया है। अब हम रूस की इकोनॉमी को टारगेट करेंगे। उसकी इकोनॉमी को इतना कमजोर कर देंगे कि वो मिलिट्री मॉर्डनाइजेशन तो क्या बहुत जरूरी चीजों के लिए भी तरस जाएगा। पूरे यूरोप में रूसी एसेट्स और बैंक अकाउंट्स फ्रीज किए जा रहे हैं। इस मामले में हम पूरी तरह अमेरिका और अपने दूसरे सहयोगियों की मदद कर रहे हैं।

यूक्रेन की अपील

यूक्रेन के दिल्ली में एम्बेसेडर ने भारत के पीएम नरेंद्र मोदी से इस मामले में दखल देने की अपील की है। यूक्रेन के एम्बेसेडर ने कहा- भारत ने हमेशा सही बात का पक्ष लिया है। हम उम्मीद करते हैं कि प्राइम मिनिस्टर मोदी इस मामले को सुलझाने और हमारे लोगों की जान बचाने में मदद करेंगे। भारत और यूक्रेन के बीच पुराने रिश्ते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का दुनिया में रसूख है। उन्हें पुतिन से बातचीत करना चाहिए। रूस-यूक्रेन विवाद में चीन एक बार फिर रूस के साथ खड़ा नजर आ रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रूस पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनका कोई मतलब नहीं है, क्योंकि इस तरह की हरकतों से विवाद हल होने के बजाय और बढ़ेगा।

खास-खास

- रूसी सेना ने दावा किया है कि यूक्रेन के सैनिक अहम बंकरों और बेस को छोड़कर भाग खड़े हुए हैं और इन पर अब रूस का कब्जा है। कुछ मिलिट्री बेस भी रूसी सैनिकों ने हथिया लिए हैं।
- रूस ने कहा- हमने यूक्रेन के एयरबेस और एयर डिफेंस को तबाह कर दिया है। पूर्वी यूक्रेन में दो गांवों पर कब्जा भी कर लिया है।
- न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि उसने लुहांस्क में 5 रूसी एयरक्राफ्ट और एक हेलिकॉप्टर मार गिराया है।
- यूक्रेन ने कहा- हम पर तीन तरफ से... रूस, बेलारूस और क्रीमिया बॉर्डर की ओर से हमला हुआ है। लुहांस्क, खारकीव, चेरनीव, सुमी और जेटोमिर इलाकों पर हमले जारी हैं।
- यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू यानी वहां की कानून-व्यवस्था अब सेना ने अपने हाथ में ले ली है।
- यूक्रेन की राजधानी में कई जगहों पर बम धमाके हुए हैं। कीव एयरपोर्ट को खाली कराया गया।
- रूस का दावा- यूक्रेनी शहर निशाना नहीं, सैन्य ठिकाने तबाह कर रहे हैं
- यूक्रेन में मिसाइल अटैक और धमाकों के बीच रूस ने बयान जारी किया है। रूस ने कहा कि हमारे निशाने पर यूक्रेन के शहर नहीं है। हमारे हथियार यूक्रेन के सैन्य ठिकानों, एयरफील्ड, एयर डिफेंस फैसिलिटीज और एविएशन को तबाह कर रहे हैं। यूक्रेन की जनता पर कोई खतरा नहीं है।
- पुतिन ने ये ऐलान यूएनएससी की बैठक की बीच किया है। यह बैठक रूस-यूक्रेन तनाव पर ही चल रही है, अब रूस पर कड़ी कार्रवाई का फैसला लिया जा सकता है।

मेडिकल क्षेत्र में स्टार्ट-अप कल्चर को बढ़ावा देगी आईसीएमआर/डीएचआर पालिसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मंडाविया ने मेडिकल प्रोफेशनल्स के लिए बायोमेडिकल इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप के आधार पर आईसीएमआर/डीएचआर पालिसी की शुरूआत की है। इस पालिसी के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मेडिकल क्षेत्र में स्टार्ट-अप संस्कृति को बढ़ावा मिले। साथ ही देश भर के चिकित्सा संस्थानों में एक नए इनोवेशन पर आधारित इकोसिस्टम का विकास हो सके। इससे मेक-इन इंडिया, स्टार्ट-अप-इंडिया और आत्मानिर्भर भारत सरीखी पहल को भी मिलेगा।

मलिक की गिरफ्तारी के विरोध में महाविकास अघाड़ी का प्रदर्शन

नई दिल्ली। मनी लांड्रिंग और दाऊद इब्राहिम के साथ कनेक्शन को लेकर गिरफ्तार किए गए महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश में सियासी घमासान देखने को मिल रहा है। सत्ताधारी महाविकास अघाड़ी के नेता जहां नवाब मलिक की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हैं तो वहीं, भाजपा कार्यकर्ता उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। मुंबई में महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने प्रदर्शन किया। वे नवाब मलिक की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हैं। उधर, भाजपा ने भी नवाब मलिक को लेकर सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र भाजपा प्रदेशभर में प्रदर्शन कर रही है। भाजपा ने नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग की है।

कार्टून

बंगाल गर्वनर ने विस का बजट सत्र बुलाने को दी मंजूरी, 7 मार्च को रात दो बजे होगा सत्र

स्पीकर बोले-समय में गलती हुई होगी

कोलकाता। बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने आखिरकार गुरुवार को कैबिनेट की सिफारिश को मंजूर करते हुए राज्य विधानसभा का बजट सत्र आगामी सात मार्च से आयोजित करने की अनुमति दे दी है। हालांकि बजट सत्र के समय को लेकर विवाद शुरू हो गया है। इस बार विधानसभा का बजट सत्र सात मार्च की रात दो बजे से शुरू होगा। इस बात की जानकारी खुद राज्यपाल ने ट्वीट कर दी है। राज्यपाल ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 174 (1) को लागू करते हुए कैबिनेट के निर्णय को स्वीकार करते हुए विधानसभा सत्र सात मार्च को रात दो बजे से बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि आधी रात के बाद यानी रात दो बजे से विधानसभा की बैठक असमान्य घटना है और एक प्रकार से यह इतिहास में पहली बार हो रहा है, लेकिन यह कैबिनेट का निर्णय है। दूसरी ओर, राज्यपाल द्वारा रात दो बजे से सत्र बुलाए जाने के बारे में पूछे जाने पर विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने राज्य सरकार का बचाव करते हुए कहा कि टंकण (टाइपिंग) में कोई त्रुटि रही होगी जिसे टाला जा सकता था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जब भी सूचना भेजी थी उन्होंने दोपहर दो बजे का उल्लेख किया था। अब यह कैबिनेट को तय करना है। दूसरी ओर, राज्यपाल द्वारा रात दो बजे से सत्र बुलाए जाने के बारे में पूछे जाने पर विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने राज्य सरकार का बचाव करते हुए कहा कि टंकण (टाइपिंग) में कोई त्रुटि रही होगी जिसे टाला जा सकता था।

राज्यपाल सुश्री उइके ने सरस मेले का लिया भरपूर आनंद

रायपुर। राजिम माघी पुन्नी मेला में संत समागम शुभारंभ की मुख्य अतिथि राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने सरस मेले का भरपूर आनंद लिया और विभिन्न स्टालों में जाकर स्वसहायता समूह की महिलाओं एवं स्थानीय कलाकारों से सहजता एवं आत्मीयता के साथ बात की। उन्होंने स्टॉल में लगे विभिन्न उत्पादों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य की परम्परागत खुमरी पहनकर फोटो भी खिंचवाई। माटीकला के स्टॉल में चॉक घुमाकर कलश बनाने में हाथ अजमाया। साथ ही बस्तर के सुप्रसिद्ध वाद्य यंत्र तुरही का वादन कर आनंद लिया। सुश्री उईके ने ग्राम नारी के कुम्हार युगल किशोर चक्रधारी द्वारा बनाये जा रहे मिट्टी के कलश देखकर बहुत ही उत्सुकता पूर्वक अपने हाथों से चॉक घुमाकर देखा। उन्होंने श्री चक्रधारी से चर्चा कर विक्रय के संबंध में जानकारी ली। श्री चक्रधारी ने बताया कि कोरोना काल में लोगों की आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर हो गई थी। ऐसे में लोगों को हाथों से बनी सामग्री को अधिक से अधिक खरीदना चाहिए जिससे कुम्हारों को भी रोजगार मिल सकेगा। इससे स्वदेशी वस्तुओं का भी प्रचार होगा और हमारे शिल्पियों को भी रोजगार मिलेगा। राज्यपाल ने रेशम के स्टॉल में कोसा से बने वस्त्रों की खूब सराहना की। ग्राम पारागांव की कारीगर श्रीमती सोनकुंवर देवांगन द्वारा बुनी जा रही चादर का अवलोकन किया।

'प्रकृति की सेवा का संकल्प' में शामिल हुए गृहमंत्री, रोपा पारिजात का पौधा

भोपाल। आज मुख्यमंत्री और पार्टी पदाधिकारियों के साथ 'प्रकृति की सेवा का संकल्प' कार्यक्रम में गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा शामिल हुए। उन्होंने भी भगवान हरि के श्रृंगार में उपयोग में आने वाले पारिजात का पौधा लगाया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रतिदिन पौधारोपण के संकल्प का आज एक वर्ष पूर्ण हो गया है। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने उन्हें इसके लिए बधाई दी।

इससे पहले मिर्ची बाबा गृहमंत्री से मुलाकात करने पहुंचे. जहां दोनों के बीच बंद कमरे में मुलाकात हुई. यह मुलाकात इसलिए भी खास है क्योंकि मिर्ची बाबा कांग्रेस में दिग्विजय सिंह के करीबी माने जाते हैं और लगातार वह बीजेपी और शिवराज सरकार के खिलाफ भी मुखर रहते हैं. हालांकि मिर्ची बाबा ने नरोत्तम मिश्रा से हुई इस मुलाकात को सामान्य मुलाकात बताया है. दोनों की मुलाकात के बाद प्रदेश का सियासी पारा गर्मा गया है.

मिर्ची बाबा ने गोविंद सिंह पर साधा निशाना

मिर्ची बाबा ने कांग्रेस के वरिष्ट विधायक डॉ. गोविंद सिंह पर निशाना साधा है. गोविंद सिंह पर निशाना साधते हुए कहा की भिंड में साधु संतों का अपमान किया गया, यह ठीक नहीं है. मैं गौ माता की रक्षा की लड़ाई सतत रूप से लड़ रहा हूं, मैं एक महामंडलेश्वर हूं मेरे साथ 20 हजार से ज्यादा साधु संत हैं. दरअसल, मध्यप्रदेश में कांग्रेस का साथ दे रहे मिर्ची बाबा को कल भिंड में हुई कमलनाथ की सभा के दौरान मंच से उतार दिया था, जिससे वह पार्टी से नाराज बताए जा रहे हैं. मिर्ची बाबा ने पूर्व मंत्री गोविंद सिंह को दलितों और साधु संतों का विरोधी भी बताया है. मिर्ची बाबा ने कहा कि वह गोविंद सिंह तानाशाही कर रहे हैं, अगर उन्होंने गोविंद सिंह के सारे चिट्ठा खोल दिए तो वो बर्बाद हो जाएंगे. इसलिए गोविंद सिंह इस बात को समझें और स्वयं निर्णय लें. उन्होंने कहा कि गोविंद सिंह ने उनके साथ जो किया है इसके लिए उन्हें उनसे माफी मांगनी चाहिए.

वहीं नरोत्तम मिश्रा स मुलाकात को लेकर जब उनसे सवाल किया गया कि तो उन्होंने इस मुलाकात को सामान्य मुलाकात बताते हुए नरोत्तम मिश्रा की जमकर तारीफ की उन्होंने कहा कि नरोत्तम मिश्रा ने हमेशा मेरा सम्मान किया है, उन्होंने कभी मेरा अपमान नहीं किया है. उन्होंने हमेशा मेरा सम्मान ही किया है. बताया जा रहा है कि भिंड में कमलनाथ की सभा के दौरान उन्हें मंच पर नहीं चढ़ने दिया गया था, गोविंद सिंह ने उनसे नीचे रहने को कह दिया था. जिसके बाद से ही मिर्ची बाबा नाराज बताए जा रहे हैं. बता दें कि मिर्ची बाबा कांग्रेस नेताओं के करीब माने जाते हैं, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के चुनाव के वक्त भी अपने हवन को लेकर वह चर्चा में रहे थे. लेकिन नरोत्तम मिश्रा से हुई उनकी मुलाकात ने नई सियासी अटकलों को जन्म दे दिया है.

पीएम बोले- भाजपा ना तो पिता एंड संस वाली पार्टी है और ना ही होगी

अमेठी, एजेंसी। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस के गढ़ अमेठी में भाजपा के अमेठी, सुलतानपुर तथा रायबरेली के डलमऊ के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परिवारवादी पार्टियां हमेशा संविधान का अपमान करती हैं। परिवारवादी पार्टियां हमारी युवा प्रतिभा का नुकसान करती हैं। इसके विपरीत देश में भाजपा ही ऐसी पार्टी है कि जिसका आज कोई एक अध्यक्ष होता है तो कल कोई और होता है। भाजपा पिता एंड संस की प्राइवेट पार्टी नहीं है और ना ही कभी हो सकती है। परिवारवादी राजनीति में पार्टी का अध्यक्ष परिवार का होता है, सभी महत्वपूर्ण पदों पर उसी परिवार के लोग बैठे होते हैं। महत्वपूर्ण पदों

पर दावेदारी उसी परिवार के सदस्यों की होती है। परिवारवादी राजनीति से भी देश का बहुत नुकसान होता है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भी उनका हर फैसला वोट बैंक की पॉलिटिक्स के हिसाब से ही होता है। ये फैसला अगर देशहित के खिलाफ हो, तो भी ये नेता उस फैसले को लेने में जरा भी नहीं हिचकते। उनकों देश की नहीं वोट बैंक की चिंता रहती है। एक समय था जब इन नेताओं ने वोटबैंक पॉलिटिक्स को, तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया, उसे खाद-पानी दिया। आज वोट बैंक की इसी पॉलिटिक्स ने, तुष्टिकरण की इसी राजनीति ने इन नेताओं को अपना बंधक बना लिया है। अब वोट बैंक की पॉलिटिक्स ही उनकी मजबूरी बन गयी है। पीएम मोदी ने कहा कि देश को आजादी मिलने के बाद से कांग्रेस में दिक्कत आना शुरू हुई जब एक ही परिवार ने पार्टी पर कब्जा शुरू कर दिया। पूरे देश में बहुत सारी पार्टियां कांग्रेस को देखकर ये सीख गईं और पूरे लोकतंत्र को दीमक की तरह बहुत बड़ा नुकसान कर दिया। उन्होंने कहा कि यहां यूपी में भी घोर परिवारवादियों ने कांग्रेस कल्चर को ही खुद में पूरा का पूरा उतार लिया है और उसी रंग में रंग गए हैं। बीते कई दशकों से कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, एक ही परिवार की बंधक बनी हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कानून-नियमों का पालन देश का प्रधानमंत्री भी करता है। प्रधानमंत्री की 100 वर्ष आयु की मां भी करती हैं। मेरी मां 100 वर्ष की हैं और उन्होंने भी लाइन नहीं तोड़ी। जब उनका नंबर आया, तब ही उन्होंने वैक्सीन लगवाई। मेरी मां ने बुस्टर डोज अभी नहीं लगवाया, क्योंकि उन्हें कोई बीमारी नहीं है। इसी जगह पर अगर ये परिवारवादी सरकार में होते तो सारी लाइनें तोड़कर खुद सबसे पहले वैक्सीन लगवाते। आप ये भी देखिए मैंने भी वैक्सीन तब लगवाई जब नियम से मेरा नम्बर आया। जब वैक्सीनेशन शुरू हुआ तो मोदी खुद दौड़कर सबसे पहले वैक्सीन लगवाने के लिए नहीं पहुंच गया। हमने पहले स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों को, सफाई कर्मचारियों को, बुजुर्गों को, गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को वैक्सीन लगवाने का मौका दिया। कोविड वैक्सीन ने कोरोना से लडने की ताकत हर एक नागरिक में बढ़ा दी है। इसी के कारण देश में आज दुकानें खुली हैं, व्यापार खुला है, स्कूल-कॉलेज खुले हैं। इन परिवारवादियों का वैक्सीन को लेकर जो रवैया रहा है, वो भी पूरे उत्तर प्रदेश, पूरे देश ने देखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को तो योगी जी ने दुरुस्त कर ही दिया है। अब हम भी ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं कि कोई भू-माफिया कभी आपके घर और जमीन को छू भी नहीं सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

महिला कांग्रेस अध्यक्ष को हटाया, वरिष्ठ उपाध्यक्षों को नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष डा. अर्चना जायसवाल को अपने पद से हटा दिया गया, लेकिन चार वरिष्ठ उपाध्यक्षों को बरकरार रखा गया है। अपने गठन के शुरुआती दौर से ही विवादों में घिरी मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी को अंततः भंग कर दिया गया है। केंद्रीय संगठन ने 30 जनवरी 2022 को घोषित कार्यकारिणी को ही भंग कर दिया गया। राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी ने इसकी सूचना जारी करते हुए कहा कि प्रदेश महिला कांग्रेस में सिर्फ वरिष्ठ उपाध्यक्ष रश्मि भारद्वाज, कविता पांडे, जमना मरावी और नूरी खान को बरकरार रखा गया है। मालूम हो कि सभी की नियुक्ति कार्यकारिणी के गठन से पहले की गई थी। संगठन की राष्ट्रीय महासचिव प्रदेश प्रभारी ओनिका मेहरोत्रा ने बताया कि जल्द ही संगठन को लेकर निर्णय लिया जाएगा। महिला कांग्रेस पर निष्क्रियता और पद बांटने पर कई तरह की शिकायतें सामने आई थीं। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने 30 जनवरी को मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी की घोषणा की थी। 24 घंटे बीतने के पहले ही विवाद प्रारंभ हो गया था। महामंत्री बनाई गई सोनिया अतुल शुक्ला ने यह कहते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था कि मैं 15 साल पहले महामंत्री थी और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी संभाल रही हूं, इसलिए महामंत्री पद के साथ न्याय नहीं कर पाऊंगी। उनके इस्तीफे के बाद अन्य जगह से भी विरोध के स्वर उठने लगे थे। इसे देखते डा. अर्चना जायसवाल ने प्रदेश कार्यकारिणी और जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की सूची को रोक दिया था। किसी भी पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र नहीं दिए गए थे। साथ ही असंतोष से निपटने के लिए प्रदेश प्रभारी की सहमति से प्रदेश उपाध्यक्ष नीता शरद तिवारी, पुष्पा शर्मा और यास्मिन शेरानी की अनुशासन समिति बना दी थी। सभी पदाधिकारियों से कहा गया था कि किसी को कोई भी आपत्ति हो तो समिति को लिखित में आवेदन कर सकती हैं। इस कवायद के बीच पिछले सप्ताह नियुक्ति आदेश भी जारी कर दिए गए।उधर प्रदेश कार्यकारिणी भंग करने को लेकर डा. अर्चना जायसवाल ने कहा कि संगठन का निर्णय हैं। उन्होंने कहा कि मैंने वही सूची जारी की, जो केंद्रीय संगठन से अनुमोदित थी। मैं अपनी बात संगठन के समक्ष रखूंगी।

कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक निलंबित, टैंकर मालिक को नोटिस

भोपाल। भोपाल दुग्ध संघ के एक टैंकर के दूध की गलत जांच करने की आशंका के चलते कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक निलंबित कर दिया गया है, वहीं टैंकर मालिक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। दूग्ध संघ प्रशासन ने टैंकर में भरे दूध में मिलावट की आशंका के बीच कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक नितिन धुर्वे को निलंबित कर दिया है। टैंकर मालिक सुमेर सिंह को नोटिस देकर तीन दिन में जवाब मांगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टैंकर एमपी 04 जीबी 2799 मार्ग दो पर चल रहा था जो सोमवार रात में दूध लेकर संघ के प्लांट में आया था। इसमें भरे दूध की पुनः जांच करने पर गुणवत्ता में अंतर मिला था। दुग्ध संघ ने नितिन पर गलत जांच करने और टैंकर मालिक पर लालच व धमकी देकर गुणवत्ता को बेहतर कराने के आरोप लगाए हैं। टैंकर खड़ा करा लिया है। बता दें कि पूर्व में दुग्ध संघ से अनुबंधित एक टैंकर में अलग चैंबर मिला था, जिसमें दूध की जगह पानी भरा जाता था। दूसरे टैंकर को सीहोर के हीरापुर फार्म हाउस पर दूध निकालकर पानी मिलाते पकड़ा था और तीसरे टैंकर को मंडीदीप के पास रंगे हाथों दूध में मिलावट करते पकड़ा था।

लिवर सिरोसिस और कैंसर से गर्भवतियों और नवजातों को मिलेगा तुरंत इलाज

भोपाल। हेपेटाइटिस बी जैसी खतरनाक बीमारी से महिलाओं, बच्चों को बचाने के लिए अब हर गांव में वायरल लोड टेस्टिंग की जाएगी। एनएचएम ने इसके लिए आउटसोर्स के जरिए एक कंपनी को हेपेटाइटिस की वायरल लोड टेस्टिंग का काम सौंपा है। गांवों में ही प्रसव पूर्व जांच (हृष्ट) के दौरान गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग की जाएगी। यही नहीं स्क्रीनिंग में हेपेटाइटिस बी और सी पॉजिटिव आने पर गर्भवती के सैंपल लेकर वायरल लोड टेस्टिंग के लिए भेजे जाएंगे। पॉजिटिव गर्भवतियों को एक केन्द्र पर एकत्रित कर उनके सैंपल लेकर वायरल लोड टेस्टिंग कराई जाएगी। इससे हेपेटाइटिस बी पॉजीटिव गर्भवतियों को ट्रीटमेंट मिल सकेगा। हर जांच के बाद आरसीएच पोर्टल पर एंट्री की जाती है।

एनएचएम की उप संचालक डॉ. शशि ठाकुर ने बताया कि स्क्रीनिंग में जो गर्भवती महिलाएं हेपेटाइटिस की पॉजिटिव मिलतीं हैं उनके सैंपल की वायरल लोड टेस्टिंग कराई जा रही है। जिनके सैंपल में वायरल लोड 20 हजार से ज्यादा मिलता है उनके लिवर (स्न्ज्ञ) और किडनी फंक्शन टेस्ट (ऋन्ज्ञ) कराए जाते हैं यदि एलएफटी और आरएफटी में रिजल्ट बढ़ा हुआ मिलता है तो लिवर सिरोसिस की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में गर्भवतियों का इलाज तुरंत शुरू करना होता है। इलाज जल्दी शुरू होने से लिवर सिरोसिस और कैंसर के संक्रमण से बचाया जा सकता है।

नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम की इंचार्ज डॉ. शशि ठाकुर बतातीं हैं कि हेपेटाइटिस के वायरल लोड टेस्टिंग में 20 हजार से ज्यादा लोड वाले मरीजों का जल्द इलाज शुरू करना होता है। हेपेटाइटिस बी के मरीजों का इलाज जीवन भर चलता है इनकी हर छह महीने में वायरल लोड टेस्टिंग कर यह देखा जाता है कि वायरल लोड ज्यादा बढ़ तो नहीं रहा है। वहीं हेपेटाइटिस सी के मरीजों का अधिकतम छह महीने इलाज चलता है। कई मरीजों में तीन महीने के इलाज के दौरान ही वायरल लोड कम हो जाता है।

हेपेटाइटिस संक्रमित मां से जन्म लेने वाले नवजातों को हेपेटाइटिस के टीके के साथ ही इम्युनोग्लोबिन (एचबीआईजी) वैक्सीन लगाई जाती है। ताकि बच्चे को संक्रमण से बचाया जा सके। हर प्रसव केन्द्र में यह वैक्सीन उपलब्ध रहती है।

495 चिकित्सकों में 401 ने ही किया ज्वाइन

94 चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई निरस्त

भोपाल । मप्र के शासकीय अस्पतालों के लिए डाक?टरों के 632 पदों की भर्ती में 495 चिकित्सा अधिकारी ही मिले। इनमें भी 94 डॉक्टरों ने ज्वाइन ही नहीं किया। ऐसे में शासन ने इनकी नियुक्ति निरस्त कर दी है। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी दूर नहीं हो पा रही है। फरवरी 2021 में 632 पदों पर लोक सेवा आयोग के जरिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। साक्षात्कार के बाद 495 चिकित्सकों की चयन सूची जारी की गई, लेकिन इनमें 401 ने ही ज्वाइन किया। ऐसे में शासन ने ज्वाइन नहीं करने वाले 94 चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति को पिछले हफ्ते निरस्त कर दिया है। उनकी जगह अनुपूरक सूची में शामिल 64 चिकित्सकों को नियुक्ति का मौका दिया गया है। इस सूची में शामिल चिकित्सकों से उनकी पसंद के अस्पताल के लिए 27 फरवरी तक ऑनलाइन विकल्प मांगा गया है। बता दें कि जिन डॉक्टरों की नियुक्ति निरस्त की गई है, उनकी पदस्थापना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र , सिविल अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में की गई थी। 2010 में मेडिकल ऑफीसर्स के 1090 पदों के विरुद्ध 570 डॉक्टर ही मिले थे। इसके बाद करीब 200 डॉक्टरों ने पीजी करने या फिर मनचाही पोस्टिंग नहीं मिलने पर नौकरी छोड़ दी। 2013 में 1416 पदों पर भर्ती में 865 डॉक्टर मिले, लेकिन करीब 200 ने ज्वाइन नहीं किया और उतने ही नौकरी छोड़कर चले गए। यानी करीब 400 डॉक्टर ही मिले। इसी तरह से 2015 में 1271 पदों में 874 डॉक्टर मिले हैं। इनमें भी 218 डॉक्टरों ने ज्वाइन नहीं किया। कुछ पीजी करने चले गए और कुछ ने नौकरी छोड़ दी। करीब 400 डॉक्टर ही मिल पाए। 2015 में ही 1871 पदों के लिए भर्ती शुरू हुई थी। मार्च 2017 में साक्षात्कार के बाद रिजल्ट जारी किए गए। इस बारे मेंमप्र मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र गोस्वामी का कहना है कि दूसरे राज्यों के मुकाबले मप्र में वेतन कम है।

श्रीयंत्र की डिजाइन में पहला पार्क, मंच पर कुर्सी न होने से गृह मंत्री सामने ही बैठ गए

भोपाल। भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में श्रीयंत्र के जैसे डिजाइन वाले पहले पार्क में शुभारंभ गुरुवार को ष्टरूशिवराज सिंह चौहान ने किया। यहां पर सीएम ने पौधे भी रोपे। मंच पर कुर्सी न होने से गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा नाराज दिखें और वे दर्शकों के लिए मंच के सामने रखी कुर्सी पर जाकर बैठ गए। उन्हें बीजेपी जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी मनाकर मंच पर लाए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग भी मंच पर नहीं पहुंचे। उधर, सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर की तबीयत बिगड़ गई। कुछ देर रुकने के बाद वे घर रवाना हो गईं।

पार्क के शुभारंभ और सीएम के पौधे लगाने का एक साल पूरा होने पर कार्यक्रम भी हुआ, लेकिन मंच पर कुर्सियों की कमी पड़ गई और मंत्री-नेताओं को बैठने की जगह नहीं मिली। मंच पर कुर्सी न होने से गृह मंत्री मिश्रा की नाराजगी देखने को मिली। जिलाध्यक्ष पचौरी सांसद ठाकुर को भी मंच पर लेकर आए। हालांकि, सांसद कुछ देर ही मंच पर रही। इस दौरान उनकी तबीयत खराब हो गई। इसलिए उन्हें बीच कार्यक्रम से ही जाना पड़ा। सीएम से चर्चा करने के बाद सांसद अपने घर रवाना हो गईं। वे घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं।

कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग भी पहुंचे थे, लेकिन मंच पर कुर्सी न होने से वे वहां गए ही नहीं और वापस लौट गए। बताया जाता है कि कुर्सियों की कमी को लेकर मंत्री-नेताओं ने जिम्मेदार अफसरों को फटकार भी लगाई है।

ष्टरूकी नसीहत- बर्थडे पर बुके-होर्डिंग, स्वागत द्वार से बचे

ष्टरूचौहान ने पार्क का शुभारंभ करने के साथ यहां पर पौधारोपण भी किया। पौधे लगाने का एक साल पूरा होने पर पार्क में कार्यक्रम भी हुआ। इसमें सीएम ने नेताओं और आम लोगों को बर्थडे पर बुके-होर्डिंग और स्वागत द्वार लगाने से बचने और पेड़ लगाने की नसीहत दे दी। उन्होंने कहा कि बुके देने या होर्डिंग और स्वागत लगाने से किसी का फायदा नहीं होता। पैसा और एनर्जी दोनों व्यर्थ करते हैं। यदि मेरे या खुद के बर्थडे पर कुछ करना ही है तो पेड़ लगाए। मेरे जन्मदिन पर कोई होर्डिंग और स्वागत द्वार न लगाए जाए। बुके देने की जरूरत भी नहीं। प्यार करते हो तो एक पेड़ लगा देना। गरीब-बच्चों की मदद करें। आंगनवाड़ियों को संवारे। सबका भला हो जाएगा।

क्ष्क्क के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, गृह मंत्री मिश्रा, नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह, सांसद ठाकुर, विधायक कृष्णा गौर, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी आदि भी मौजूद थे।

30 मिनट में 365 पौधे रोपे

स्मार्ट सिटी एरिया में 2 एकड़ खाली जमीन पर यह पार्क नगर निगम ने 24 लाख रुपए में विकसित किया है। इसके बीचोंबीच श्रीयंत्र जैसी डिजाइन बनाई गई है। वहीं रोड, रेलिंग, ट्यूबवेज, शेड, पॉथ-वे बनाकर स्पेशल घास लगाई गई तो सजावटी और फूल वाले पौधे भी लगाए हैं। सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं ने मिलकर 30 मिनट में 365 पौधे भी रोप दिए।

नागदा-बीना 14 मार्च, कोटा-इंदौर सुपरफास्ट ट्रेन 8 मार्च तक निरस्त

भोपाल। रेल यात्रियों के लिए यह काम की खबर है। बीना-कोटा रेल लाइन के दोहरीकरण के तहत भोपाल मंडल की ओर, रेहटवास, पिपरईगांव और कोटा मण्डल के बारां, सुंदलक एवं बिजोरा स्टेशनों पर 23 फरवरी से प्री-नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जा रहा है। इसके चलते कुछ ट्रेनें निरस्त की गई तो कुछ के रास्ते बदले हैं। नागदा-बीना ट्रेन 14 मार्च तक नहीं चलेगी तो कोटा-इंदौर सुपरफास्ट ट्रेन 8 मार्च तक निरस्त रहेगी।

ये ट्रेनें निरस्त- गाड़ी संख्या 19341 नागदा-बीना एक्सप्रेस 24 फरवरी से 13 मार्च तक और गाड़ी संख्या 19342 बीना-नागदा एक्सप्रेस 25 फरवरी से 14 मार्च तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 22983/22984 कोटा-इंदौर-कोटा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 26 फरवरी से 8 मार्च तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

इन ट्रेनों के रास्ते बदले- 26 फरवरी से 8 मार्च तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से चलने वाली गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया कोटा, नागदा, संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़), भोपाल होकर और 27 फरवरी से 9 मार्च तक गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रस परिवर्तित मार्ग वाया भोपाल, संत हिरदाराम नगर, नागदा, कोटा होकर गंतव्य को जाएगी।

ये ट्रेनें आंशिक रूप से निरस्त रहेगी- गाड़ी संख्या 12198/12197 ग्वालियर-भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस 24 फरवरी से 13 मार्च तक ग्वालियर-गुना-ग्वालियर के मध्य चलेगी। गुना-भोपाल-गुना के मध्य यह आंशिक निरस्त रहेगी।

वन विहार में जानवरों की गिनती शुरू:लंगूर, चीतल-नीलगाय झुंड में दिखे; 25-26 फरवरी को भी होगी गिनती; टूरिस्टों को 10 बजे से मिलेगी एंट्री

भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में खुले में घूमने वाले शाकाहारी जानवरों की गिनती गुरुवार सुबह 7 बजे से शुरू हो गई है। इस दौरान लंगूर, चीतल और नीलगाय झुंड में दिखाई दिए। गिनती 26 फरवरी तक चलेगी। इसके चलते टूरिस्टों को सुबह 7 की बजाए 10 बजे एंट्री दी जाएगी। डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एके जैन ने बताया, 52 ट्रांजिट पाइंटों पर गिनती की जा रही है। इसके लिए 60 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। बता दें कि वर्ष 2017 में खुले में घूमने वाले जानवरों की संख्या 1149 थी, जो 2021 में बढ़कर 1429 पहुंच गई। पिछले एक साल में चीतल, सांभर, नीलगाय, लंगूर, मोर आदि जानवरों की संख्या बढ़ी है। ऐसे में इस बार हो रही गणना में इनकी संख्या अधिक होने की संभावना है।

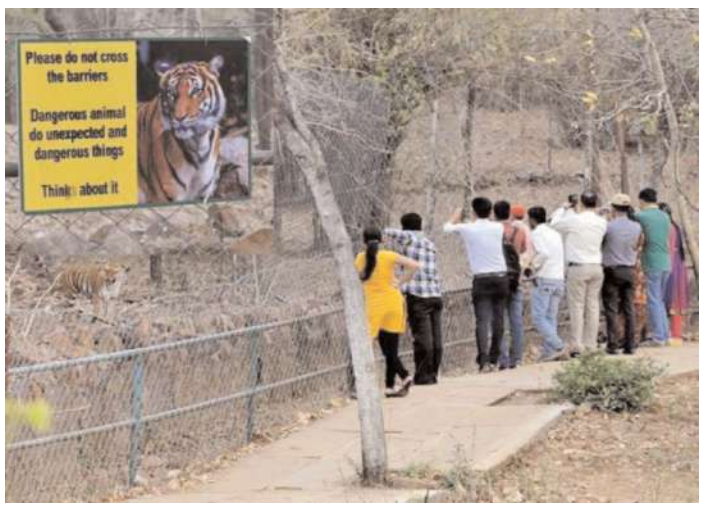

वन विहार में इतने वन्य प्राणी- वन विहार में शेर, बाघ, लोमड़ी, भालू, तेंदुआ, मगरमच्छ, घड़ियाल, बायसन समेत अन्य 128 जानवर बाड़े में है। वहीं, लंगूर, चीतल, सांभर आदि जानवर 1428 है। इस तरह वन विहार में 1500 से अधिक जानवर है। यह वर्ष 2021 में हुई गिनती के अनुसार है।

खुले में यह जानवर- चीतल, सांभर, नीलगाय, जंगली सूअर, मोर, सियार, लंगूर, काला हिरण, सेही, बारहसिंगा, जंगली बिल्ली, खरगोश, चिंकारा, चौसिंघा आदि जानवर खुले में विचरण करते हैं।

एमबीबीएस के दो बैचों की पढाई होगी एक साथ

एमबीबीएस के दो बैचों की पढाई होगी एक साथ
प्रदेश में पहली बार होगा ऐसा, कोरोना का हुआ असर

भोपाल। कोरोना वायरस महामारी का असर हर क्षेत्र में हुआ है। कोरोना वायरस के कारण ही अब प्रदेश में एमबीबीएस के दो बैचों की पढाई एक साथ होगी। प्रदेश ऐसा पहली बार होने जा रहा है। कोरोना वायरस के चलते शैक्षणिक सत्र 2021-22 का बैच इस साल फरवरी में आया है, जिसे जुलाई 2021 में दाखिल होना था। सत्र 2022-23 का बैच भी इसी साल जुलाई में आ जाएगा। इस तरह जुलाई के बाद प्रदेश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों में प्रथम वर्ष के एक साथ दो बैच हो जाएंगे।ऐसे में जिन कालेजों में व्याख्यान कक्ष कम हैं, वहां छात्रों को बैठाने में दिक्कत आएगी। फैकल्टी की भी कमी

पड़ेगी। इसकी वजह यह है कि प्रथम वर्ष में एनाटामी, फिजियोलाजी और बायोकेमेस्ट्री की कक्षाएं लगती हैं। जिन कालेजों में मापदंड के अनुसार पूरे फैकल्टी हैं, वहां भी दो बैच एक साथ होने से दिक्कत आएगी। जहां फैकल्टी की संख्या स्वीकृत पदों से कम है, वहां पढ़ाई में और ज्यादा परेशानी आएगी। गांधी मेडिकल कालेज भोपाल और एमजीएम मेडिकल कालेज इंदौर में एमबीबीएस की 250 सीटें हैं। यानी दोनों जगह इतनी क्षमता वाले दो लेक्चर हाल की जरूरत होगी। हालांकि, जीएमसी में 250 सीट वाले चार लेक्चर हाल हैं, इसलिए कोई परेशानी नहीं आएगी। इस बारे में जीएमसी डीन डा. अरविंद राय का कहना है कि हमारे पास चार लेक्चर हाल 250 सीट की क्षमता वाले हैं, इसलिए जगह की कमी नहीं पड़ेगी। बाकी संसाधन भी पर्याप्त हैं। पढ़ाने के लिए फैकल्टी का रोस्टर इस तरह से तैयार किया जाएगा कि पढ़ाई पर असर न पड़े। वहीं मप्र चिकित्सा शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष डा. राकेश मालवीय का कहना है कि 500 विद्यार्थियों को एक साथ बैठाना, पढ़ाना और सिखाना कठिन होगा। कोविड की आपदा के कारण यह हुआ है। ऐसे में विद्यार्थी और फैकल्टी सभी को समझौता करना पड़ेगा। एनाटामी, फिजियोलाजी और बायोकेमेस्ट्री के फैकल्टी को हर दिन दोनों बैच की कक्षाएं लेनी पड़ेंगी।

दुर्ग में भी वायरोलॉजी लैब शुरू, स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने किया ऑनलाइन लोकार्पण

रायपुर। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने आज दुर्ग में कोरोना सैंपलों की आरटीपीसीआर जांच के लिए वायरोलॉजी लैब का ऑनलाइन शुभारंभ किया। इस नए लैब को मिलाकर अब प्रदेश के 12 शासकीय लैबों में आरटीपीसीआर जांच की सुविधा हो गई है। इससे रोजाना आरटीपीसीआर जांच की संख्या बढ़ने के साथ ही लोगों को रिपोर्ट भी जल्दी मिलने लगेगी। दुर्ग वायरोलॉजी लैब के वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम में दुर्ग शहर के विधायक श्री अरूण वोरा, स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. मनिन्दर कौर द्विवेदी, स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक श्री नीरज बंसोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला, दुर्ग के कलेक्टर श्री सर्वेश्वर भूरे, वायरोलॉजी लैब के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश जैन, एम्स रायपुर तथा रायपुर

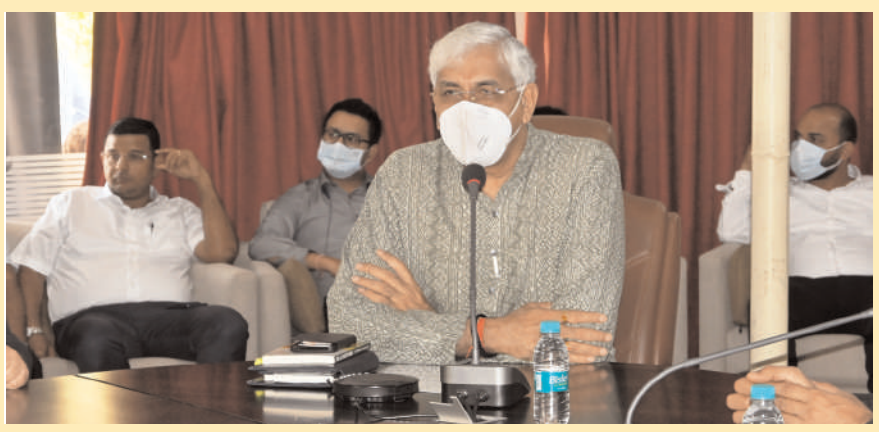

मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग के चिकित्सा विशेषज्ञ भी ऑनलाइन शामिल हुए।

स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने दुर्ग में नवनिर्मित वायरोलॉजी लैब का उद्घाटन करते हुए कहा कि कोरोना के वास्तविक मामलों की पुष्टि करने में आरटीपीसीआर जांच काफी अहम है। यह सबसे सटीक और भरोसेमंद जांच है। प्रदेश के सभी पुराने व नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों और कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के बाद अब दुर्ग में भी आरटीपीसीआर जांच की सुविधा शुरू होने से ज्यादा सैंपलों की जांच इस पद्धति से की जा सकेगी। इस नई सुविधा से कोरोना संक्रमितों की पहचान और उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराने में तेजी आएगी। उन्होंने बताया कि बलौदाबाजार, जशपुर, दंतेवाड़ा और जांजगीर में भी वायरोलॉजी लैब की स्थापना का काम प्रगति पर है। इन जिलों में भी जल्दी आरटीपीसीआर जांच की सुविधा शुरू होगी। विधायक श्री अरूण वोरा ने दुर्ग में वायरोलॉजी लैब की स्थापना के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव के प्रति आभार व्यक्त किया।ह्य

कलेक्टर और एसपी ने राजस्व और पुलिस अमले की ली संयुक्त बैठक

धमतरी। धमतरी ज़िले में शांति और कानून व्यवस्था को और मजबूती देने आज कलेक्टर श्री पी.एस. एल्मा और पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर ने राजस्व और पुलिस अमले की संयुक्त बैठक ली। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सुबह 11 बजे से आहूत इस बैठक में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि दोनों विभाग का जिम्मा है, कि ज़िले में शांति, कानून व्यवस्था बनाए रखने आपसी समन्वय से काम करें। अप्रिय घटना, दुर्घटना, ऐसी स्थिति में पूरी तरह से सतर्क रहते हुए निगाह रखने कहा गया है, ताकि समय रहते ज़रूरी कदम उठाए जा सकें। इस बैठक में ज़िले के इन दोनों आला-अधिकारियों ने प्रोटोकॉल, मेला-मड़ई, शांति व्यवस्था, सांप्रदायिक सौहार्द्र, ट्रैफिक व्यवस्था इत्यादि के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, थाना प्रभारियों इत्यादि से मैदानी क्षेत्र में कानून और शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने संबंधी दिक्कतों की जानकारी ली गई। बैठक में इस बात पर खासतौर पर जोर दिया गया कि आपसी समन्वय से ऐसे मामलों का निराकरण करें, जिससे कि जनता को बेहतर सुविधा मुहैया कराई जा सके।

न्यूज ब्रीफ

कुलाधिपति सुश्री उइके ने डॉ. चंदेल को इंदिरा गांधी कृषि विवि का कुलपति नियुक्त किया

रायपुर । राज्यपाल एवं कुलाधिपति सुश्री अनुसुईया उइके ने डॉ. गिरीश चंदेल, विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट मॉलिक्यूलर बॉयोलॉजी एवं बॉयोटेक्नोलॉजी, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। यह नियुक्ति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 1987 की धारा 14 की उपधारा (1) में प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है। इस संबंध में आज आदेश जारी किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. गिरीश चंदेल, देश के प्रख्यात पौध प्रजनक और जैव प्रौद्योगिकी के वैज्ञानिक हैं। छत्तीसगढ़ के सिमगा, हथबंद के ग्राम-कुकरा चुन्दा के मूल निवासी डॉ. चंदेल को कृषि शिक्षा अनुसंधान और विस्तार प्रबंधन का 30 वर्षों का अनुभव है, जिसमें 07 वर्षों का अनुभव विशेष रूप से सूखे और पोषण अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक स्टेट ऑफ आर्ट बुनियादी सुविधाओं के निर्माण और पोषण प्रबंधन पर रहा है। डॉ. चंदेल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान एवं विकास कार्यों का वृहद अनुभव है। उन्होंने इंटरनेशनल जेनेटिक इंजीनियरिंग एवं बॉयोटेक्नोलॉजी सेंटर में पी एच.डी. फेलो तथा इंटरनेशनल राईस रिसर्च इंस्टीट्यूट में विजिटिंग वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया है।

विधायक डमरूधर पुजारी की अनुशंसा पर 5 लाख स्वीकृत

गरियाबंद । बिन्द्रानवागढ़ विधायक श्री डमरूधर पुजारी की अनुशंसा पर कलेक्टर नम्रता गांधी ने जिले के ग्राम फुलबाहरा ग्राम पंचायत नया में शंकर घर से योगेश सेन घर तक सीसी रोड निर्माण हेतु 5 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। क्रियान्वयन एजेंसी का दायित्व संबंधित ग्राम पंचायत को सौपा गया है।

समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवभोग में नियमित डेंटल सेवायें प्रारंभ

गरियाबंद । कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देश के परिपालन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के सुदूर विकासखण्ड देवभोग क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदाय करने एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवभोग में डेंटल चेयर स्थापित किया गया है। वहां पदस्थ दंत चिकित्सक द्वारा नियमित डेंटल सेवायें प्रदाय की जा रही है। सीएमएचओ डॉ एन आर नवरत्न के अनुसार अब क्षेत्र की जनता को मुख स्वास्थ्य से संबंधित समस्त उपचार जैसे स्केलिंग, आर.सी.टी., एक्ट्रैक्शन, रेस्टोरेशन एवं प्रोस्थेसिस आदि की सुविधा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवभोग में की प्रदाय की जा रही है।

एक दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

कोण्डागांव। बुधवार को जनपद पंचायत कार्यालय विश्रामपुरी में पिरामल फाऊंडेशन एवं शिक्षा विभाग के द्वारा नवाजतन कार्यक्रम एवं एफएलएन के तहत् एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संकुल समन्वयकों एवं पीएलसी सदस्यों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन के तहत् बच्चों को सीखने के प्रतिफलों के अनुरूप दक्षताएं हासिल करने, बाल्यावस्था से लेकर कक्षा तृतीय तक के लिए और शिक्षक बच्चो के सीखने के स्तर के अनुरूप सतत चर्चा कर प्रशिक्षण दिया गया। इसमें 100 दिन के कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों में शारीरिक-भौतिक विकास, भाषीय कौशल विकास, समाजिक भावनात्मक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखण्ड से 27 संकुल समन्वयकों एवं 48 पीएलसी सदस्यों को एफएलएन और नवा जतन कार्यक्रम के तहत् प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण में जिला सहायक प्रोग्राम अधिकारी रूपसिंह सलाम, बीआरसी, परियोजना कंसल्टेंट हरिओम प्रसाद चौरसिया, सचिन निंबारते सहित अन्य अधिकारी उपस्थिति रहे।

पुलिस विभाग द्वारा नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार करने वालों के विरूद्ध चलाया गया अभियान

प्रदेश भर में एनडीपीएस के कुल 23 अपराध और अवैध शराब का कारोबार करने वाले आरोपियों के विरूद्ध 1072 प्रकरण दर्ज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा पुलिस महानिदेशक को प्रदेश में सक्रिय नशीले पदार्थों के अवैध कारोबारियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं, निर्देश के परिपालन में जिलों में नशीले पदार्थों का कारोबार करने वाले अपराधियों के खिलाफ कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रदेश के सभी जिलों में गांजा, ब्राऊन शुगर, नशीली दवायें एवं अवैध शराब का कारोबार करने वाले संगठित अपराधियों के खिलाफ एक साथ बड़ी कार्यवाही की गई। रायपुर पुलिस द्वारा 20 फरवरी को नारकोटिक्स एवं सायबर सेल द्वारा मैनुअल एवं टेक्नीकल आसूचना के आधार पर नशीली दवाओं का अवैध कारोबार करने वाले अंतर्राज्यीय तस्कर शेख महमूद एवं रवि नारायण को गिरफ्तार कर 15 किलो 500 ग्राम गांजा, 240 ग्राम चरस एवं बड़ी मात्रा में नशीली दवाऐं बरामद की गई, उक्त आरोपियों ने नशीला पदार्थ उड़ीसा निवासी तापस कुमार परेश एवं समीर कुमार से लाना बताये। उक्त सूचना पर रायपुर पुलिस की 10 सदस्यीय टीम उड़ीसा जाकर कैम्प कर दोनो आरोपियों को गिरफ्तार किया जिन्होंने छत्तीसगढ़

के अतिरिक्त देश के अन्य राज्यों में भी नशीले पदार्थों की तस्करी करना स्वीकार किया उक्त आरोपियों से प्रतिबंधित टेबलेट 5630 नग नाइट्रोजन एवं 26400 नग अल्फाजोलम तथा 3100 नग पेंटाजोसिन प्रतिबंधित नशीले इंजेक्सन सहित 50 लाख रूपए मूल्य के नशीले पदार्थ एवं अन्य सामाग्री जप्त किये गये। रायपुर पुलिस द्वारा 21 फरवरी 2022 को आरोपी महेन्द्र पटेल को सूचना के आधार पर ब्राउन शुगर एवं बड़ी मात्रा में 11 लाख 50 हजार रूपए के नशीली दवाओं के साथ पकड़ा गया। अभियान के दौरान राजनांदगांव पुलिस द्वारा 22 एवं 23 फरवरी को अंर्तराज्यीय आरोपी पुखराज चंदेल को गिरफ्तार कर उससे 22 लाख 26 हजार रूपए मूल्य का 371 किलो. गांजा जप्त किया गया। आरोपी द्वारा नशीला पदार्थ विक्रय कर उक्त कमाई से क्रय किये गये 57 तोला सोने के जेवर मूल्य लगभग 25 लाख रूपए एवं बिक्री की रकम 12 लाख 48 हजार 4 सौ रूपए कुल 63 लाख 24 हजार 4 सौ रूपए की बरामदगी की गयी। अभियान के दौरान दुर्ग पुलिस द्वारा महाराष्ट्र से ब्राउन शुगर लाकर छत्तीसगढ़ में विक्रय करने वाले 3 अंतर्राज्यीय तस्कर मोहम्मद वाहिद, पृथ्वी सिंह एवं प्रिंस उर्फ गौतम महार को गिरफ्तार किया गया जिनसे 5 लाख रूपए मूल्य के ब्राउन शुगर बरामद किया गया। महासमुंद पुलिस द्वारा नारकोटिक्स सेल के माध्यम से नशीले दवाओं का अवैध कारोबार करने वाले आरोपी हितेश चंद्राकर को गिरफ्तार कर बड़ी संख्या में दशीली प्रतिबंधित दवाये जप्त की गयी। प्रदेश के सभी जिलों में विगत एक सप्ताह से चलाये जा रहे अभियान के दौरान एनडीपीएस के कुल 23 अपराध पंजीबद्ध किये जिनमें 2 हजार 32किलो गांजा जप्त किया गया इसी तरह अवैध शराब का कारोबार करने वाले आरोपियों के खिलाफ 1072 प्रकरण पंजीबद्ध कर 3 हजार 65 लीटर अवैध शराब जप्त की गयी। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा अवैध नशे के कारोबारियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान लगातार जारी रहेगा एवं आने वाले दिनों में इस पर और अधिक प्रभावी कार्यवाही कर उक्त अवैध कारोबार को पूर्णतः प्रतिबंधित किया जावेगा।

अमनज्योति को मिलेगा राष्ट्रीय बाल वीरता पुरस्कार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अमनज्योति जाहिरे को राष्ट्रीय बाल वीरता पुरस्कार वर्ष 2021 प्रदान किया जाएगा। भारतीय बाल कल्याण परिषद नई दिल्ली ने कोरबा जिला निवासी अमन ज्योति का चयन इस पुरस्कार के लिए किया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने साहसी अमनज्योति का चयन राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए होने पर उसे बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि साहसिक कार्यों और बहादुरी के लिए बच्चों को नगद राशि सहित प्रमाण पत्र के साथ भारतीय बाल कल्याण परिषद द्वारा हर साल यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। कोविड परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने की तिथि की घोषणा बाद में की जाएगी। अमनज्योति को उनके द्वारा किए गए साहसिक कार्यों के लिए हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा राज्य वीरता पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। राज्यपाल सुश्री अनसुईया उईके द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर रायपुर में आयोजित मुख्य समारोह और राजभवन में बहादुर बच्चों को सम्मानित किया गया था। कोरबा के रहने वाले 15 वर्षीय अमन ज्योति ने अपने से उम्र में बड़े एक छात्र की जान बचाई थी। एक अगस्त 2021 को फ्रेंडशिप डे के दिन कुछ छात्र कोरबा शहर से लगभग 20 किलोमीटर दूर पिकनिक स्पॉट परसखोला बांध गए थे। इनमें से झरना में हाथ-पैर धोने गए एक छात्र आशीष ठाकुर का पैर फिसल गया था। फिसल कर गिरने के कारण वह पानी में बहने लगा था।

शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों की दी गई जानकारी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। आम जनता को राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों, कार्यक्रमों की जानकारी देने जनसंपर्क विभाग द्वारा आज जिले के पेंड्रा विकासखंड के ग्राम नवागांव में सूचना शिविर सह छायाचित्र विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य है कि राज्य शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के लिए जिले के तीनों विकासखण्डों के विभिन्न गांवों के हाट-बाजार में सूचना शिविर सह छायाचित्रों का आयोजन किया जा रहा है। सूचना शिविर सह छायाचित्र प्रदर्शनी के तहत 23 फरवरी को गौरेला विकासखण्ड के ग्राम बस्ती में साप्ताहिक हाट बाजार मे पहला सूचना शिविर लगाया गया। इसी क्रम में 24 फरवरी को नवागांव हाटबाजार मे सूचना शिविर का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी को देखने आये लोगों ने कहा कि यह विकास प्रदर्शनी लोगों में एक जागरूकता का माध्यम है, जो लोग शासन की कई योजनाओं के बारे मेंनहीं जानते थे वे इस प्रदर्शनी के माध्यम से जान और समझ पा रहे हैं। लोगों ने छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा वहां दी जा रही पुस्तकों, पाम्पलेट को पढ़ा और कहा कि यह प्रदर्शनी जनउपयोगी है। प्रदर्शनी सह सूचना शिविर मे राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका जनमन, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री का वितरण किया गया और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

राज्य एवं जिला नोडल अधिकारियों की एक दिवसीय प्रशिक्षण सह-कार्यशाला संपन्न

नशा करने वालों की मनः स्थिति में परिवर्तन से व्यसन मुक्ति अभियान को मिलेगी सफलता

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा व्यसन मुक्ति अभियान के तहत राज्य एवं जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों की एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला राज्य अनुसंधान एवं पुनर्वास केंद्र माना में संपन्न हुई। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के लोगों को नशे से दूर करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इसलिए भारत माता वाहिनी योजना अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत और आश्रित गांवों में ऐसा माहौल तैयार किया जाएगा कि नशा करने वालों कि मनः स्थिति में बदलाव आए और वे नशा करने की लत छोड़ने विवश हो जाएं। यह सब सामूहिक प्रयत्न से ही संभव हो पाएगा।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया नशा-पान का सेवन मानव समाज के लिए घातक साबित हो रहा है। व्यसन के कारण ही कैंसर, अस्थमा, हृदयाघात, उच्च रक्तचाप जैसे गंभीर व्याधि शरीर में उत्पन्न होती है। साथ ही परिवार मे कलह, आर्थिक समस्याएं, सामाजिक प्रतिष्ठा में गिरावट, नशा के दुष्परिणाम है। इससे हम जितना जल्दी मुक्त होंगे हमारा समाज विकास के मार्ग पर उतनी ही अधिक तेजी से आगे बढ़ेगा। भारत माता वाहिनी में प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं आश्रित ग्राम में 8 सदस्यों का समूह होगा जिसमें महिला अध्यक्ष होंगी। समूह में अधिकतम 3 पुरुष सदस्य भी हो सकते हैं। सदस्यों में दिव्यांग व्यक्तियों, विधवा, परित्यक्ता, महिला, तृतीय लिंग समूह के व्यक्ति, नशा मुक्त हुए व्यक्तियों को प्राथमिकता से शामिल किया जाएगा। ग्राम सभा के अनुमोदन उपरांत समाज कल्याण विभाग के जिला कार्यालय में पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत करना होगा। प्रथम चरण में प्रत्येक जनपद पंचायत की 10 ग्राम पंचायतों में भारत माता वाहिनी का गठन किया जाएगा। इसके लिए 2000 या अधिक की जनसंख्या वाले गांवों का चयन किया जाएगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि स्थानीय स्तर पर प्रचार प्रसार के लिए रैली, प्रभात फेरी, नशापान के दुष्परिणामों का प्रचार-प्रसार, दीवार लेखन, पोस्टर, पांपलेट नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन सामान्य में नशा मुक्ति जागरूकता विकसित की जाएगी।

एक सीजन में आलू की खेती से कमाए 1 लाख 40 हजार रुपए

आत्मनिर्भर का खुला द्वार, आलू की खेती से महिलाओं को मिला रोजगार

रायपुर। जशपुर जिले के इन महिलाओं को अब आत्मनिर्भर की राह में आगे बढ़ने का द्वार मिल गया है। पाठ इलाका होने और मौसम के अनुरूप आलू की खेती करने की सलाह मिलने के पश्चात महिलाओं द्वारा इस खेती का अपनाने का ही परिणाम है कि जय भवानी स्व-सहायता समूह की महिलाओं के खाली हाथों को रोजगार के साथ आमदनी भी होने लगी है। आलू की खेती से एक सीजन में हुई 1 लाख 40 हजार रुपए की आमदनी से महिलाओं को भी लगने लगा है कि आने वाले दिनों में आलू की खेती उनके लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है।

बगीचा विकासखंड के सुलेसा गौठान की जय भवानी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि प्रशासन के माध्यम से उन्हें आलू की खेती के लिए वैज्ञानिक सलाह के साथ वित्तीय एवं अन्य सहायता मिली। इसके बाद समूह की महिलाओं ने आलू की खेती करने का फैसला लिया। गौठान

की चार एकड़ बाड़ी में लगभग 10 क्विंटल बरसाती आलू की खेती की गई। महिलाओं ने बताया कि मण्डी में थोक विक्रेताओं के पास आलू का विक्रय करने से उन्हें तुरंत पैसा भी मिल जाता है। समूह को इस खेती से सीजन अनुसार 1 लाख 40 हजार रुपए का लाभ प्राप्त हुआ। समूह की महिलाओं ने यह भी बताया कि बिहान योजना से 15 हजार रुपए और सूक्ष्म ऋण योजना से 60 हजार रुपए प्राप्त कर एक से अधिक गतिविधियांओं को बढ़ाने में मदद मिली। आजीविका गतिविधियों के रूप में एक से अधिक व्यवसाय के चयन से ही आज हमारा समूह आर्थिक रूप से मजबूत होने लगा है और 20 से 30 हजार रुपए का आर्थिक लाभ प्रतिमाह अर्जित कर रहा है। समूह द्वारा रेडी टू ईट निर्माण और उससे हुई आमदनी की बचत राशि को अन्य गतिविधियां संचालित करने में लगाया गया। सदस्यों के बीच आपसी लेन-देन व समय पर ऋण वापसी होने के कारण भी बचत राशि में इजाफा हुआ। अलग-अलग व्यवसाय का अपना कर आत्मनिर्भर की राह में आगे बढ़ रही जशपुर अंचल की महिलाओं को उम्मीद है कि आलू की खेती से उन्हें आने वाले समय में बड़ी आमदनी हासिल होगी।

मुख्यमंत्री आज को बिलासपुर में करेंगे तिफरा फलाईओवर ब्रिज और व्यापार विहार स्मार्ट रोड का करेंगे लोकार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल 25 फरवरी को अपने बिलासपुर प्रवास के दौरान शहरवासियों को तिफरा फलाईओवर ब्रिज, व्यापार विहार स्मार्ट रोड की दो बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री इन दोनों कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इस फलाई ओवर और स्मार्ट सड़क के शुरु होने से बिलासपुर-रायपुर मार्ग और बिलासपुर संभाग के सबसे बड़े व्यापारिक केंद्र व्यापार विहार में यातायात व्यवस्थित और सुगम हो सकेगा। मुख्यमंत्री इसके साथ ही मनोरंजन और ज्ञान के केन्द्र के रूप में प्लेनेटोरियम की भी सौगात देंगे। बिलासपुर-रायपुर मार्ग में काफी लंबे समय से तिफरा रेलवे क्रासिंग में व्यवस्थित और चौड़े

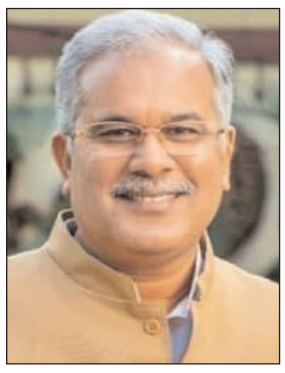

फ्लाईओवर ब्रिज की ज़रूरत महसूस की जा रही थी। तिफरा छोर से स्वर्गीय जमुना प्रसाद वर्मा कॉलेज तक 1620 मीटर की लंबाई में तिफरा फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण 107 करोड़ 49 लाख रूपये की लागत से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा किया गया है। इस रेलवे क्रासिंग पर पहले भी एक ओवर ब्रिज का निर्माण किया गया था, लेकिन ब्रिज के सामने ही चौक होने और ब्रिज की चौड़ाई कम होने के कारण चौक के चारों ओर तथा ब्रिज में आए दिन जाम का सामना करना पड़ता था। अब इस नये फ्लाई ओवर ब्रिज के बन जाने से महाराणा प्रताप चौक और तिफरा छोर में जाम से मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही रायपुर मार्ग को बिलासपुर शहर से जोड़ने वाले इस ब्रिज से शहरवासियों के साथ ही साथ उन तमाम राहगीरों को भी राहत मिलेगी, जो एनएच 130 का उपयोग आवागमन के लिए करते हैं।

बसपा पर अमित शाह के बयान के मायने

उत्तरप्रदेश में चार चरणों का मतदान हो चुका है। इस बार भाजपा को कड़ी टक्कर दे रहे अखिलेश यादव दूसरे-तीसरे चरण के बाद से ही सपा को बहुमत मिलने का दावा करने लगे हैं। अखिलेश यादव ने इस बार शुरु से कदम फूंक-फूंक कर रखे। गठबंधन साथियों का चुनाव सोच-समझ कर किया। छोटे दलों को तवज्जो दी, ताकि हितों का टकराव न हो। सामाजिक समीकरणों का ख्याल रखते हुए गठबंधन साथी बनाए और टिकट वितरण किया। सैफई कुनबे को फिर से मजबूत भी किया, क्योंकि पिछले चुनावों में हार का एक बड़ा कारण यादव परिवार में पड़ी फूट भी थी। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के बरक्स मुद्दों की राजनीति पर चुनावी मुहिम छेड़ी। शुरुआत में जिन्ना या अब्बाजान जैसे शब्दों को लेकर भाजपा ने कोशिश की कि उप्र में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को ही आधार बनाया जाए।

पिछली बार की तरह श्मशान-कब्रिस्तान का विभाजन जनता के बीच किया जाए। भाजपा नेताओं के भाषणों में अयोध्या के बाद काशी-मथुरा का शोर भी पहले काफी सुनाई दिया। लेकिन धीरे-धीरे भाजपा को यह एहसास होने लगा कि जनता इस बार भावनाओं में आसानी से नहीं बहेगी। लिहाजा भाजपा ने कानून व्यवस्था और विकास की बात करना शुरु कर दिया। लेकिन यहां भी भाजपा को सपा से मात मिलती दिखाई दी। भाजपा ने जब पलायन और माफियाराज जैसे शब्दों का सहारा लिया, तो उसे उन्नाव, हाथरस, लखीमपुर खीरी आदि की याद दिलाई गई। अब भाजपा को मजबूरन आम आदमी के मुद्दों, उसकी परेशानियों पर बात करनी पड़ रही है।

कुछ दिनों पहले अमित शाह ने गैस सिलेंडर भी मुफ्त देने का ऐलान किया, तो भाजपा पर तंज कसे जाने लगे कि महंगाई किस कदर बढ़ रही है, ये अब भाजपा को भी समझ आ रहा है। जाहिर है महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भी भाजपा घिर रही है। उप्र की जनता इन बुनियादी समस्याओं के साथ-साथ आवारा पशुओं से भी परेशान हो रही थी। खेतों में खड़ी फसलों की रक्षा करना जनता के लिए दूभर हो रहा था। पांच सालों तक जनता की इस परेशानी पर भी भाजपा ने ध्यान नहीं दिया।

लेकिन अब खुद प्रधानमंत्री को इसके लिए आश्वासन देना पड़ रहा है कि 10 मार्च के बाद इस दिशा में भी काम शुरु हो जाएगा। मतलब भाजपा ये मानकर चल रही है कि सत्ता में फिर से उसकी वापसी हो रही है। अपने दावे को सही साबित करने के लिए भाजपा अब नयी रणनीतियों को तैयार कर चुकी है। इसका एक उदाहरण गृहमंत्री अमित शाह के एक साक्षात्कार में मिला। एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में अमित शाह ने मायावती को अब भी प्रासंगिक बताया, साथ ही ये भी दावा किया कि मुस्लिमों के वोट बसपा को मिलेंगे। अमित शाह का ये बयान तीन चरणों के मतदान के बाद और चौथे चरण के मतदान के पहले सामने आया। जिससे पता चलता है कि भाजपा अभी से ऐसे साथियों को ढूंढ रही है, जिनके सहारे सत्ता के लिए जोड़-तोड़ करने में आसानी हो। हालांकि बसपा को भाजपा की बी टीम अब कहा जाने लगा है, क्योंकि भाजपा के खिलाफ कई बड़े मुद्दों पर बोलने से मायावती बचती रही हैं। लेकिन जब उप्र चुनाव शुरु हुए तो कभी-कभार ट्वीट से अपना विरोध मायावती ने दर्ज कराया। जबकि इन चुनावों में भाजपा, बसपा का न केवल विरोध करती दिख रही थी, बल्कि अमित शाह ने तो चुनाव प्रचार न करने के लिए मायावती पर तंज भी कसा था। दिसंबर में अमित शाह ने एक रैली में कहा था कि बहनजी को ठंड लग रही है, इसलिए वो चुनाव प्रचार के लिए नहीं निकली हैं। जिसका जवाब देते हुए मायावती ने कहा था कि - सत्ता के लोगों को ठंड में जो गर्मी चढ़ी है, वह सरकार के और गरीबों के खजाने की गर्मी है।

संपादकीय

छोटे कारोबारियों का जिन्दा रहना जरूरी है सरकार

आत्महत्या कोई समाधान नहीं है या खुदकुशी कायरों का काम है- सैद्धांतिक रूप से ये बातें अपनी जगह सही हैं। लेकिन सरकार की नीतियां और फैसले ऐसे क्यों हों कि छोटे और असंगठित कारोबारियों का दम घुटने लगे।

बागपत का राजीव तोमर अस्पताल के बिस्तर पर कसमसा रहा है, वह बार-बार करवट बदलता है। आंखें खोलता है तो उसे कुछ दिखाई नहीं देता। बोलना चाहता है लेकिन मुंह से आवाज नहीं निकलती। ये उस जहर का असर है जो उसने फेसबुक पर लाइव आकर सबके सामने अपने हलक से नीचे उतार लिया था। जहर की पुड़िया राजीव के हाथ से छीनने की कोशिश में नाकामयाब रही पत्नी ने भी बचा-खुचा जहर निगल लिया और अपनी जान गंवा दी। उधर बरेली के मोहम्मद तारिक ने अपने साढ़े तीन साल के बेटे की गुमशुदगी की रपट दर्ज करवाई। जांच में पता चला कि उसने ही अपने बेटे को मार डाला है क्योंकि वह हीमोफीलिया की उसकी बीमारी का इलाज नहीं करवा पा रहा था।

कुछ ही दिनों के अन्तराल पर हुई ये घटनाएं अलग-अलग हैं लेकिन कारण दोनों के पीछे समान हैं - बेरोज़गारी, कारोबार पर नोटबंदी, जीएसटी और लॉकडाउन की मार, बढ़ता कर्ज, बढ़ता घाटा और साथ ही बढ़ता अवसाद। इन्टरनेट खंगाला जाए तो ऐसी सैकड़ों खबरें पढ़ने को मिल जाएंगी। पिछले दिनों केंद्र सरकार ने खुद ही राज्यसभा में बताया कि साल 2018, 2019 और 2020 के दौरान 25 हजार से ज्यादा लोगों ने आत्महत्या की है। इन तीन वर्षों में खुदकुशी की सबसे ज़्यादा घटनाएं 2020 में हुई हैं। दिवालियापन, बेरोजगारी और कर्ज इन आत्महत्याओं की वजह बने हैं। तीन सालों में बेरोजगारी ने अगर 9 हजार से ज़्यादा की जान ली तो कर्ज और दिवाला निकल जाने से 16 हजार लोगों ने अपनी जान दे दी।

सवाल ये है कि क्या सरकार को इन आत्महत्याओं से कोई फ़र्क पड़ रहा है! चुनाव प्रचार में मसरूफ़ भाजपा के नेता विपक्षी दलों के गड़े मुर्दे उखाड़ रहे हैं, लेकिन अच्छे-भले इंसानों के लाशों में तब्दील हो जाने पर एक बोल भी क्या उनके मुंह से फूट रहा है! संसद के एक सदन में

जब आत्महत्याओं के बारे में जानकारी दी जा रही थी तो सत्तापक्ष की तरफ़ से क्या किसी ने %उफ% भी की ! जो कारण इन घटनाओं के पीछे बताए गए, क्या सरकार ने अपने आप को उनके लिए जिम्मेदार माना! कोरोना काल से लेकर हाल तक आत्मनिर्भरता का राग अलापने वाली सरकार ने क्या ये देखा कि खुदकुशी करने वाले अनगिनत छोटे और असंगठित कारोबारी भी तो देश को आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान दे रहे थे! साल 2020 में जब कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा था कि केंद्र और राज्य सरकारों से कोविड के कारण देश भर में लगभग एक चौथाई छोटे कारोबारियों की लगभग पौने दो करोड़ दुकानें बंद होने की कगार पर हैं और ऐसा होना देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत विनाशकारी होगा, तो हमारे हुक्मरानों ने उसे एक चेतावनी की तरह क्यों नहीं लिया? दुकानें बंद होने के बाद व्यापारी कहां जाएंगे, क्या करेंगे, वे कोई आत्मघाती कदम उठाना तो शुरू नहीं कर देंगे - क्या इसकी चिंता सरकार में बैठे लोगों ने की? क्या उन्होंने कभी ये जानने की कोशिश की कि 20 लाख करोड़ का जो राहत पैकेज बड़े नाटकीय तरीके से जारी किया गया था, उसका कैसा और कितना फ़ायदा छोटे व्यापारियों को मिला? आत्महत्याओं का दौर लॉकडाउन के साथ ही शुरू हो गया था। पहले सामूहिक आत्महत्या के इक्का-दुक्का मामले ही सामने आते थे, लेकिन लॉकडाउन के दौरान बीवी-बच्चों, यहां तक कि अपने व्यवसायिक भागीदार तक के साथ आत्महत्या के मामले हर दूसरे-तीसरे दिन सुर्खियों में रहे। लॉकडाउन ख़त्म होने के बाद स्थितियां सामान्य होने की उम्मीदें भी धरी रह गईं क्योंकि लाखों लोग अपनी नौकरी खो चुके हैं, लाखों लोग अब भी नौकरी की बाट जोह रहे हैं। कोरोना के इलाज के फेर में न जाने कितने लोग अपनी जमा-पूंजी गंवा चुके हैं। जिन गहनों-जेवरों को गिरवी रखकर लोगों ने कर्ज लिया था, वे अब नीलाम होने जा रहे हैं। सूदखोरों के दबाव और धमकियों से निजात पाने के लिए कईयों को अपनी जान दे देना ही बेहतर लग रहा है।

आत्महत्या कोई समाधान नहीं है या खुदकुशी कायरों का काम है- सैद्धांतिक रूप से ये बातें अपनी जगह सही हैं। लेकिन सरकार की नीतियां और फैसले ऐसे क्यों हों कि छोटे और असंगठित कारोबारियों का दम घुटने लगे। क्या सरकार को ये बताने की जरूरत है कि देश की कितनी बड़ी आबादी अपनी जरूरतों के लिए इन्हीं छोटे व्यापारियों पर निर्भर है, इसलिए भी उनका जिन्दा रहना जरूरी है। हमने पहले भी कहा है कि लगातार हो रही आत्महत्याओं का संज्ञान सरकार को लेना चाहिए।

वस्तुएं नहीं मुफ्त नगद दीजिए

चुनाव के समर में मुफ्त वस्तुएं बांटने की होड़ लगी हुई है। सरकार द्वारा पहले ही मुफ्त शिक्षा, किसानों को मुफ्त बिजली, मुफ्त गैस सिलेंडर, मुफ्त आवास आदि दिए जा रहे थे। अब मुफ्त लैपटॉप, साइकिल और कहीं तो शराब भी मुफ्त बांटने के वायदे किए गए ऐसा बताया जा रहा है। इस प्रकार के वितरण में सरकार का राजस्व समाप्त हो जाता है लेकिन लाभार्थी को केवल तात्कालिक आराम मिलता है। उसको अपनी जीविका को लंबे समय तक चलाने का मार्ग नहीं मिलता है। कहावत है कि किसी को मछली देने के स्थान पर मछली पकड़ना सिखाना ज्यादा उत्तम है जिससे कि वह आगे तक स्वयं मछली पकड़ कर अपना पेट भर सके। इसी प्रकार राजनीतिक पार्टियों को मुफ्त वस्तुएं वितरित करने के स्थान पर जनता को अपने रोजगार को बनाने और दीर्घकालिक आय अर्जित करने का रास्ता बनाने में मदद करनी चाहिए।

लेकिन यहां समस्या हमारी आर्थिक नीतियों के मूल ढांचे की है। हम मुख्यतः जीडीपी यानी आय के पीछे भाग रहे हैं। जनता को रोजगार मिले या न मिले, हमारी दृष्टि सिर्फ इस बात पर टिकी हुई कि है देश कितना समृद्ध है, देशवासी गरीब हों तो चलेगा। परिणामस्वरूप जनता को रोजगार उपलब्ध करने के प्रयास नहीं हो रहे हैं। जीडीपी बढ़ाने में बड़ी कंपनियां सफल होती है और छोटे उद्योग असफल होते हैं चूंकि वे तुलना में महंगा माल बनाते हैं। इसलिए सरकार ने नीति अपना रखी है छोटे उद्योगों को समाप्त करो और बड़े उद्योगों को बढ़ावा दो जिससे कि देश का जीडीपी बढ़े। लेकिन इसका परिणाम यह है आम आदमी बेबस है। न तो उसके पास रोजगार है और न ही आय का कोई साधन। नोटबंदी, जीएसटी और लॉकडाउन ने छोटे उद्योगों को समाप्त कर दिया है और आम आदमी को त्रस्त कर दिया है।

इस परिस्थिति में आम आदमी को राहत देना अनिवार्य है। इसका सीधा उपाय है कि उसे जीविकोपार्जन के लिए मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। इस मुफ्त वितरण के विरोध में पहला तर्क यह दिया जाता है की है वित्तीय दृष्टि से ऐसा वितरण टिकाऊ नहीं है। यह तर्क सही नहीं है। सरकार के खर्चों को तीन श्रेणियों में रखा जा सकता है- 1. मुफ्त वितरण, 2. सरकारी खपत जैसे अधिकारियों को बढ़े हुए वेतन देना अथवा उनके लिए एसयूवी खरीदना, और 3. निवेश जैसे हाईवे बनाना। इन तीनों में यदि हमें मुफ्त वितरण बढ़ाना है तो दूसरे दो यानी सरकारी खपत अथवा निवेश में कटौती करनी पड़ेगी। यह बात सही है। यदि निवेश में कटौती की जाए और

सरकारी खपत बनाई रखी जाए तब यह वितरण टिकाऊ नहीं रहेगा क्योंकि निवेश करना देश के अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है। इसके विपरीत यदि सरकारी खपत में कटौती की जाए और निवेश को बनाए रखा जाए तो यह नीति टिकाऊ हो जाती है। यानी विषय मुफ्त वितरण के टिकाऊ होने का नहीं है। विषय यह है कि हम सरकारी खपत में कटौती करके मुफ्त वितरण करना चाहते हैं अथवा सरकारी निवेश में कटौती करके?

मुफ्त वितरण के विरोध में दूसरा तर्क टैक्स के दुरुपयोग का दिया जाता है। लेकिन हमारे संविधान में कल्याणकारी राज्य की कल्पना की गई है। सरकार का मूल उद्देश्य है कि जनता का कल्याण हासिल करे। इस दृष्टि से बड़े उद्योगों पर कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी की जिम्मेदारी दी गई है जिसके अंतर्गत उन्हें अपने प्रॉफिट के एक अंश का सामाजिक कार्यों में उपयोग करना होता है। इसी क्रम में यदि टैक्स का उपयोग भी जनता को मुफ्त वितरण के लिए किया जाए तो यह कल्याणकारी राज्य के उद्देश्य को बढ़ावा देगा और यह उचित ही दिखता है।

मुफ्त वितरण के संदर्भ में असल प्रश्न यह है कि यह वितरण वस्तुओं के रूप में किया जाए अथवा सीधा नगद के रूप में? वस्तुओं के मुफ्त वितरण के तरफ पहला कदम संभवतः 60 के दशक में फर्टिलाइजर पर सब्सिडी देकर की गई थी। उस समय देश में सूखा पड़ा हुआ था। खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ाना था। किसान फर्टिलाइजर का अधिकाधिक शीघ्र अतिशीघ्र उपयोग करें इसलिए सरकार ने इसके दाम न्यून रखें। किसानों ने फर्टिलाइजर का उपयोग बढ़ाया। देश में खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ा और हम भुखमरी से बाहर निकले थे। लेकिन यह विवादास्पद कि क्या फर्टिलाइजर सस्ता होने से ही किसानों ने उसका उपयोग किया? संभव है कि यदि फर्टिलाइजर की उपलब्धि होती और किसान को फसल का समुचित दाम दिया जाता तो भी किसान फर्टिलाइजर का उपयोग बढ़ाते क्योंकि वे लाभ तो अर्जित करना ही चाहते हैं।

इसलिए यह सोचना कि सब्सिडी अथवा मुफ्त वितरण से ही हम देश को सही दिशा में ले जा सकेंगे यह उचित नहीं दिखता है। सही यह है कि देश का हर नागरिक अपना हित साधना चाहता है। यदि हम ऐसी नीतियां बनाएं जिसमें वह अपने स्टार पर ही अपने हितों को बढ़ा सके तो वह उनका अवश्य ही अनुसरण करेगा जैसे पूरे देश में बैल गाड़ियों में लकड़ी के पहिए के स्थान पर टायर लगाने का काम किसानों ने बिना किसी सब्सिडी अथवा मुफ्त वितरण के कुशलतापूर्वक संपन्न किया है।

यह भी विचारणीय है कि यदि जनता देश के प्रधानमंत्री को चुनने के लिए सक्षम है तो क्या वह फर्टिलाइजर का उपयोग करने का निर्णय लेने के लिए सक्षम नहीं है? यानी मुफ्त वितरण अथवा सब्सिडी के माध्यम से जनता को हांकने कि विचारधारा लोकतंत्र के सिद्धांत के मूलतः विरोध में है। लोकतंत्र में माना जाता है कि जनता समझदार है। यदि ऐसा है तो फिर जनता को नगद देकर उसको अपने विवेक के अनुसार वस्तुओं की खरीद करने का अवसर देना चाहिए। ऐसा करने से जनता अपनी जरूरत की वस्तुओं को खरीदेगी ना कि उन वस्तुओं को पाएगी जो कि सरकार देना चाहती है। नगद वितरण को न अपनाने के पीछे मुख्यतः सरकारी नौकरशाही के स्वार्थ दिखते हैं। जैसे जनता को यदि खाद्यान्न उपलब्ध कराना है तो उसे सीधे नगद वितरित करके सक्षम बनाया जा सकता है कि वह 20 रुपए किलो में गेहूं बाजार से खरीद ले; अथवा उसे 2 रुपए प्रति किलो कि दर से गेहूं वितरित किया जा सकता है। दोनों ही तरह से लाभार्थी को गेहूं मिलता है। अंतर यह है कि यदि गेहूं का वितरण वस्तु के रूप में किया जाता है तो सरकारी नौकरशाही को गेहूं खरीदने में, भंडारण करने में, वितरण करने में, राशन की दुकान चलाने में एवं राशन कार्ड बनाने में नौकरी और घूस इत्यादि लेने का पर्याप्त अवसर मिलता है।

नमक के दारोगाजी

चुनावी देग चढ़ चुकी है और उसमें हिंदुत्व, सांप्रदायिकता, माफिया राज, बुलडोजर, पाकिस्तान, जिन्ना, अब्बाजान, निजाम, पलायन, विकास, रोजगार, किसान, गैस सिलेंडर जैसी तमाम सामग्रियां उचित मात्रा में मिलाकर सत्ता का व्यंजन पकाया जा रहा है। मुफ्तखोरी की छौंक भी लगाई जा चुकी है, बस स्वादानुसार नमक की कमी थी, सो वो भी पूरी कर दी गई। प्रधानसेवक अब चौकीदार की भूमिका छोड़कर रामगढ़ के सरदार रसोइए बनते दिख रहे हैं। उन्होंने जनता को याद दिलाया कि कैसे एक वृद्धा ने कहा कि मोदी का नमक खाया है, तो धोखा नहीं देंगे। वैसे फिल्म में तो सरदार नमक के बाद गोली भी बड़ी प्यार भरी धमक के साथ खिलाता है।

नमकहलाली का वो अंजाम देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। लेकिन हकीकत उससे कहीं अधिक डरावनी लग रही है। अब सत्ता की थाली हथियाने के लिए जो नमक चुनावी व्यंजन में मिलाया जा रहा है, वो जनता की सेहत के लिए ठीक नहीं है। जनता चाहे तो पूछ सकती है कि एक चुटकी नमक की कीमत तुम क्या जानो, चौकीदार बाबू। लेकिन अभी चौकीदार बाबू नमक का दारोगा बनने में लगे हुए हैं। उन्हें उनकी पितृ संस्था ने समझाया है कि सत्ता में ओहदे की ओर ध्यान मत देना, यह तो पीर का मजार है। निगाह चढ़ावे और चादर यानी चुनाव और उसमें उठाए जा सकने वाले मुद्दों पर रखनी चाहिए। चुनाव में ऐसे मुद्दे ढूंढना जिससे हिंदू राष्ट्र बनाने की संभावनाएं बनती रहें, और उद्योगपतियों की दौलत बढ़ती रहे। सत्ता वैसे तो पूर्णमासी का चांद है, जो एक बार हाथ लग जाएगी, और पांच सालों में घटते-घटते लुप्त हो जाएगी। चुनाव बहता हुआ स्रोत है जिससे हुकूमत की सदैव प्यास बुझती है। लोकतंत्र में सत्ता पांच साल के लिए होती है, उससे तुम्हारा मकसद पूरा नहीं होगा। मगर चुनाव तुम्हारे लिए सुनहरा मौका है, इसी से तुम्हारी पार्टी की और मित्रों की बरकत होती है। तो देश के चौकीदार अब नमक के दारोगा बनकर अपनी बिगड़ी बनाने और जनता की बनी-बनाई बातों को बिगाड़ने में लग गए हैं।

आप सिर धुनते रहिए कि दारोगाजी को चुनावी संबंधी जो ज्ञान उनकी पितृसंस्था ने दिया है, वो कितना देशहित में है, इससे लोकतंत्र

का क्या नुकसान हो सकता है। लेकिन ऐसा ज्ञान तो सरस्वती की लुप्त धारा की तरह पिछले 50 बरसों से शस्य-श्यामला धरती के नीचे बहाया जा रहा था। यह धारा कई बार अपने कुटिलता के साथ सतह के ऊपर भी आई, लेकिन सब यही सोच कर उसे अनदेखा करते रहे कि हमें क्या, हमारे हाथ-पैर इस तेजाबी पानी में तो जल नहीं रहे, जो लोग इसमें झुलस रहे हैं, वो अपना बचाव खुद कर लेंगे। नतीजा ये हुआ कि अब तेजाबी पानी सिर के ऊपर से बहने लगा है। कर्नाटक में इस पानी का आचमन करने वाले एक शख्स की जान चली गई, अब उसकी बहन रोकर सबसे अपील कर रही है कि आप इस तेजाब से खुद को बचा लें। उसके आंसुओं का नमक इस समाज का स्वाद बनाए रखने के लिए जरूरी है। यही नमक सत्ता के जहरीले नमक को काट सकता है। बापू ने भी एक मुट्ठी नमक उठाकर सत्ता को चुनौती दी थी। ब्रिटिश साम्राज्य उन दुबले-पतले हाथों की मु में बंद नमक को देखकर कांप उठा था। और अपने डर को छिपाने के लिए पूरी ताकत से आत्मनिर्भरता का पाठ सीख रही जनता का दमन उसने किया था। सत्ता की चाल अब भी वही है। फर्क इतना ही है कि दमन के तौर-तरीके बदल गए। अब लोगों को जादूगर की तरह सम्मोहित करके डराया जा रहा है, आपस में उलझाया जा रहा है। दर्शक सोचते हैं जादूगर उनका मनोरंजन कर रहा है, लेकिन असल में वो सम्मोहन से आपको आपके ही साधनों से डरा रहा है।

जो साइकिल आत्मनिर्भर बनने का पहला साधन होती थी, जिस साइकिल पर अपने दोस्तों के साथ डबल सवारी के मजे लिए जाते थे। उसे ही आतंक की निशानी की तरह बता कर डराया गया। लोगों से साइकिल छूटेगी, दोस्त छूटेंगे, तो उन्हें प्रताड़ित करने में आसानी होगी। जिस साइकिल से जीवन में संतुलन बनाने की सीख लड़कपन में ही मिल जाती है, उस संतुलन को बिगाड़ने की चाल सफल हो गई, तो फिर समाज को तोड़ना आसान होगा। ब्रिटिश साम्राज्य तो खुलकर फूट डालो और राज करो का खेल करता था। लेकिन अब सबका साथ का नारा लगवा कर सबको अलग करने का खेल खेला जा रहा है। लोग नाहक सौ साल पहले वाले जर्मनी से आज की तुलना कर रहे हैं। सौ सालों में राजनीति के, कारोबार के, व्यापार के, युद्ध के और शांति के तौर-तरीके बदल गए तो क्या सत्ता की सनक नहीं बदलेगी। अब तो सत्ता की सनक भी नई रूपसज्जा के साथ दिखाई देती है। पिछली सदी में जर्मनी में जो हुआ, खुलेआम हुआ। साम्यवाद, समाजवाद के खिलाफ पूंजीवाद ने खुलकर अपना दबदबा दिखाया। तानाशाही के ऊपर फकीरी चोगा नहीं पहना गया। नस्ल की नफरत को झूठे आंसुओं के नीचे नहीं दबाया। घृणा, क्रूरता, हिंसक प्रवृत्ति, वहशीपन सब खुलेआम प्रदर्शित किया गया। नाखूनों को छिपाकर विश्वशांति और मानवता के कल्याण की बातें नहीं गईं। बल्कि अपनी सत्ता की भूख शांत करने के लिए दुनिया को युद्ध में झोंक दिया गया। आपदा को अवसर बनाने की सीख नहीं दी गई। सीधे आपदा का नर्क दिखा दिया। लेकिन अब स्वर्ग का रास्ता दिखा कर नर्क की भट्टी सुलगा दी गई है। लोगों को साइकिल से डराने के दांव के बाद, अब उन्हें आवारा पशुओं के नुकसान और फायदे का अर्थशास्त्र समझाया जा रहा है।

PRESS
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रेषित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर

पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है ? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है ?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रैशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है ? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है ? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु :ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु :खी होंगे ?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्परेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्परेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक

बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल पर रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बतों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।

हमारा लक्ष्य यूक्रेन पर कब्जा करना नहीं, तुरंत हथियार डाले यूक्रेन की सेना- पुतिन

मॉस्को । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन लोगों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है, जो यूक्रेन में रूसी सेना के ऑपरेशन में हस्तक्षेप करने का प्रयास करेंगे। पुतिन ने यूक्रेन की सेना से तुरंत %हथियार डालने% की अपील की है। पुतिन ने टेलीविजन पर एक संबोधन में कहा कि यूक्रेन द्वारा पेश किए जा रहे खतरों के जवाब में यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा रूस का लक्ष्य यूक्रेन पर कब्जा करना नहीं है और इस अभियान में जो भी खून-खराबा हो रहा है उसके लिए यूक्रेन का शासन जिम्मेदार है। पुतिन ने अन्य देशों को आगाह किया कि रूसी कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप का प्रयास न करें, नहीं तो ऐसे परिणाम होंगे, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखे होंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन पर रूस के हमले के इरादे की निंदा की है। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी इसके लिए रूस की जवाबदेही तय करेंगे। बाइडेन ने कहा सात

नेताओं के समूह की बैठक के बाद गुरुवार को अमेरिकी लोगों से बात करने की उनकी योजना है। गुरुवार को रूस के खिलाफ और प्रतिबंधों की घोषणा की जा सकती है।

बाइडेन ने एक लिखित बयान में कहा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक पूर्व नियोजित युद्ध को चुना है, जिसका लोगों के जीवन पर विनाशकारी प्रभाव होगा। इस हमले में लोगों की मौत और तबाही के लिए केवल रूस जिम्मेदार होगा, अमेरिका और उसके सहयोगी एवं साझेदार एकजुट हो कर एवं निर्णायक तरीके से इसका जवाब देंगे। दुनिया रूस की जवाबदेही तय करेगी।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से अपने सैनिकों को यूक्रेन पर हमला करने से रोकने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अपने सैनिकों को यूक्रेन में प्रवेश करने से रोकने के लिए कहा है।

वहीं, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में रूस ने अपने आक्रमण को सही ठहराया है। रूस ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन द्वारा घोषित विशेष अभियान यूक्रेन के लोगों की रक्षा के लिए है जो वर्षों से पीड़ित हैं। हमारा लक्ष्य यूक्रेन को नरसंहार से मुक्त करना है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के अनुरूप निर्णय लिया गया है। हम यूक्रेन में स्थिति का विश्लेषण करेंगे।

योगी को कुटिया बनाने के लिए दे दूंगा जमीन : हरीश रावत

प्रयागराज। उत्तराखंड में चुनाव संपन्न होने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत उत्तर प्रदेश में पार्टी के प्रचार में जुट गए हैं। बुधवार को प्रयागराज पहुंचे हरीश रावत ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसा और कहा कि हार के बाद उन्हें कुटिया बनाने के लिए उत्तराखंड में जमीन दे देंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि उत्तराखंड में बीजेपी की हार होगी।

चुनाव के नतीजे घोषित होने से पहले ही सीएम पद के लिए दावेदारी जताने में जुटे हरीश रावत ने कहा कि उत्तराखंड में कांग्रेस को बहुमत मिलेगा। उन्होंने यूपी में भी बीजेपी की हार का दावा करते हुए सीएम योगी पर कटाक्ष किया। हरीश रावत ने कहा, %%बीजेपी को उत्तराखंड से भगा दिया गया है। हम सीएम योगी को (यूपी में चुनाव हारने के बाद) उत्तराखंड में कुटिया बनाने के लिए जगह दे देंगे। गौरतलब है कि योगी आदित्यनाथ का जन्म अविभाजित यूपी के पौड़ी गढ़वाल में हुआ था, जो अब उत्तराखंड में है। विधानसभा चुनाव के संदर्भ में हरीश रावत ने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा को खदेड़ दिया और अब यूपी में भी ऐसा होगा। प्रयागराज त्रिवेणी संगम का क्षेत्र है। प्रयाग की माटी से कांग्रेस का पुराना नाता है। इस लगाव को अब ऊर्जा देने का वक्त आ गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने यूपी की जनता के अरमान रौंदने का काम किया। ऐसे में अब कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। कोरोनाकाल में लोग बेबसी के हाल में घरों को लौटे। सरकार ने लोगों को मरने के लिए सड़कों पर छोड़ दिया था।

हिजाब के बाद पगड़ी विवाद- बेंगलुरु के कॉलेज में सिख छात्रा को पगड़ी हटाने को कहा गया

बेंगलुरु । कर्नाटक में चल रहे हिजाब विवाद का घमासान शांत भी नहीं हुआ और अब राज्य की राजधानी बेंगलुरु में पगड़ी विवाद पैदा हो गया है। यहां सिख समुदाय से आने वाली 17 वर्षीय अमृतधारी छात्रा को पगड़ी हटाने के लिए कहा गया। इसके कॉलेज ने 10 फरवरी को कर्नाटक उच्च न्यायलय की तरफ से जारी हुए अंतरिम आदेश का हवाला दिया। कोर्ट ने छात्रों से केसरिया शॉल, हिजाब और धार्मिक झंडों को कक्षा में पहनने से बचने के लिए कहा था। सिख छात्रा के परिवार का कहना है कि कर्नाटक सरकार और उच्च न्यायालय को मामले पर सफाई देनी चाहिए और निर्देश जारी करने चाहिए। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु के माउंट कार्मल पीयू कॉलेज की छात्र को विनम्रता से पगड़ी हटाने के लिए पहली बार 16 फरवरी को कहा गया था, जिसपर छात्रा ने इनकार कर दिया था। इसके बाद कॉलेज ने छात्रा के पिता से बात की थी कि वे सिख के लिए पगड़ी की अहमियत समझते हैं, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बंधे हुए हैं। खास बात है कि छात्रा छात्र संगठन की अध्यक्ष भी है।

कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाएगा अमेरिका, कंप्यूटर, सेमी कंडक्टर, एयरक्राफ्ट तक के लिए तरसेगा रूस

वॉशिंगटन । यूक्रेन पर रूसी हमले की आशंका के बीच अमेरिका ने भी बड़ी तैयारी कर ली है। यदि रूस की ओर से यूक्रेन पर अटैक किया जाता है, तो बाइडेन प्रशासन की ओर से टेक प्रोडक्ट्स की सप्लाई पर रोक लगाई जा सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सेमीकंडक्टर्स और एयरक्राफ्ट के पार्ट्स की सप्लाई इससे प्रभावित हो सकती है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि अमेरिका की ओर से उन कंपनियों के प्रोडक्ट्स की सप्लाई रोक लगाई जा सकती है, जिनके एक्सपोर्ट के लिए कंपनियों को अमेरिकी सरकार से मंजूरी लेनी होती है। इन लाइसेंसों की मंजूरी बाइडेन प्रशासन खारिज कर सकता है। अमेरिका की रणनीति यह है कि लेजर, टेलिकॉम इक्विपमेंट्स से लेकर मैरीटाइम आइटम्स तक की सप्लाई पर रोक लगा दी जाए। मंगलवार को बाइडेन प्रशासन ने रूस पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनमें यह शामिल नहीं है। अमेरिकी सरकार के एक अधिकारी ने कहा यदि पुतिन यूक्रेन से जंग में आगे बढ़ते हैं, तो फिर हम भी आगे बढ़ेंगे। हमारी तरफ से आर्थिक प्रतिबंधों को लागू किया जा सकता है। इसके साथ ही एक्सपोर्ट पर भी कंट्रोल हो सकता है। अभी हम इस पर ऐलान करने वाले हैं।

ओटावा में एक अस्थाई बाड़ के पास से अपनी बाइक को खींचकर ले जाते हुए एक प्रदर्शनकारी। वहीं पुलिसकर्मी अपनी कार से उसे देखते हुए।

न्यूज ब्रीफ

पीएम मोदी ने कौशांबी में की सोनेलाल पटेल की तारीफ कुर्मी फैक्टर पर है नजर

कौशांबी । उत्तर प्रदेश के कौशांबी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना दल के संस्थापक स्व.सोनेलाल पटेल की तारीफ कर बड़ा राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोनेलाल पटेल का पूरा जीवन दलितों और गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश करते गुजरा। प्रधानमंत्री ने कहा, %उन्होंने (सोनेलाल पटेल) अपना पूरा जीवन गरीब, शोषित, पिछड़े और दलित के लिए लगा दिया।% पीएम मोदी मंझनपुर में एक चुनावी जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। सोनेलाल पटेल के बारे में पीएम के इस कथन के दो दिन पहले भाजपा की सहयोगी अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल अपनी बड़ी बहन पल्लवी पटेल पर जमकर बरसी थीं। उन्होंने पल्लवी पर सोनेलाल पटेल के सिद्धांतों से समझौता करते हुए आरोप लगाया कि अपना दल (कमेरावादी) ने समाजवादी पार्टी के सामने समर्पण कर दिया है।

नवाब मलिक के खिलाफ ऐक्शन पर बोलीं मायावती यूपी चुनाव से जोड़ा कनेक्शन

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी पर कल सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा था आज बसपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इसे लेकर यूपी की जनता को सतर्क किया। नवाब मलिक का नाम लिए बगैर मायावती ने कहा है कि कभी आतंकवाद तो कभी कभी महाराष्ट्र में चल रही जांच एजेंसियों की गतिविधियों को भी लेकर उत्तर प्रदेश चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है। गुरुवार सुबह मायावती ने अपने ट्विटर हैंडल से किए एक ट्वीट में लिखा-उत्तर प्रदेश में हो रहे विधानसभा के आमचुनाव को प्रभावित करने के लिए देश में कभी आतंकवाद के नाम पर व कभी महाराष्ट्र में चल रही जांच एजेन्सियों की गतिविधियों को भी लेकर जो कुछ हो रहा है.

यू ेन के डोनेस्टक शहर में रुसी हमले के बाद एक इमारत से निकलता हुआ धूआं।

अडानी ने इस साल जितना कमाया दुनिया के सबसे बडे रईस मस्क ने उससे ज्यादा एक दिन में गंवा दिया

नई दिल्ली । दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क को बुधवार को 13.3 अरब डॉलर यानी एक लाख करोड़ रुपये का झटका लगा। उनकी नेटवर्थ अब 200 अरब डॉलर से भी नीचे आ चुकी है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 71.1 अरब डॉलर की गिरावट आई है। मस्क की नेटवर्थ पिछले साल चार नवंबर को 340.4 अरब डॉलर पहुंच गई थी लेकिन उसके बाद से इसमें 140 अरब डॉलर से अधिक गिरावट आई है। रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ने दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट आई है और मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला को भी इसका नुकसान हुआ। बुधवार को लगातार चौथे दिन टेस्ला के शेयरों में गिरावट आई और यह सितंबर के बाद न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। इससे मस्क की नेटवर्थ में भारी गिरावट आई। हालांकि अब भी वह 198.8 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बने हुए हैं। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 169 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया

के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। पिछले साल अप्रैल में उनकी नेटवर्थ 200 अरब डॉलर को पार कर गई थी और वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के पहले अरबपति थे। लेकिन तबसे उनकी नेटवर्थ में गिरावट आई है। इस साल बेजोस की नेटवर्थ में 22.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है। फ्रांसीसी बिजनसमैन और दुनिया की सबसे बड़ी लग्जरी गुड्स कंपनी एलवीएमएच मोइच हेनेसी के चेयरमैन ऑफ चीफ एग्जीक्यूटिव बर्नार्ड आरनॉल्ट (155 अरब डॉलर) इस लिस्ट में तीसरे और माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स (122 अरब डॉलर) चौथे नंबर पर हैं। वॉरेन बफे को छोड़कर टॉप 10 में शामिल सभी अरबपतियों की नेटवर्थ में इस साल गिरावट आई है। बफे की नेटवर्थ 3.4 अरब डॉलर बढ़ी है। इस बीच फेसबुक के मार्क जकरबर्ग 75.4 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 14वें नंबर पर खिसक गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 50 अरब डॉलर से अधिक गिर चुकी है। अमेरिकी कम्प्यूटर साइंटिस्ट और इंटरनेट उद्यमी लैरी पेज 114 अरब डॉलर के साथ पांचवें, जाने माने निवेशक वॉरेन बफे 112 अरब डॉलर की नेटवर्थ से साथ छठे, गूगल के को-फाउंडर सर्गेई ब्रिन 110 अरब डॉलर के साथ सातवें, अमेरिकी बिजनसमैन तथा निवेशक स्टीव बाल्मर 101 अरब डॉलर के आठवें और लैरी एलिसन 90 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ नौवें स्थान पर हैं।

ठंड से ठिठुर रहा कश्मीर, शाह के बयान के बाद जम्मू में सक्रिय हुए सियासी दल, शुरू हुआ बैठकों और जनसंपर्क का दौर

जम्मू । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के एक बयान ने जम्मू कश्मीर के राजनेताओं को भीषण सर्दी के दिनों में अचानक सक्रिय कर दिया है। कश्मीर में बैठकर प्रदेश की सियासत करने वाले प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने बैठकें और जनसभाएं कर लोगों के बीच जाना शुरू कर दिया है। बीते सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह के छह-आठ माह के दौरान विधानसभा चुनाव कराने के ऐलान ने प्रदेश में राजनीति में सरगर्मियां बढ़ा दी हैं। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डा. फारूक अब्दुल्ला पांच दिनों से जम्मू में डेरा डाले हुए हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जीए मीर ने भी जम्मू का दौरा किया, पर परिवार में एक सदस्य की अचानक मृत्यु होने पर वह कश्मीर लौट गए। वह भी हर 15-20 दिन बाद जम्मू में रैलियां करते नजर आते हैं।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और महबूबा मुफ्ती बीते तीन माह के दौरान जम्मू में छह दौरे कर चुकी हैं। तीन दिन पहले वह राजौरी-पुंछ का दौरा कर कश्मीर लौटी हैं। जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के

चेयरमैन सैयद अल्ताफ बुखारी भी लगातार जम्मू में पार्टी जनों के साथ बैठकें कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद चार दिन जम्मू बिताने के बाद मंगलवार को दिल्ली लौटे हैं। आजाद का यह दौरा निजी था, लेकिन कांग्रेस के कई नेताओं ने उनके साथ मुलाकात कर इसे सियासी दौरा बना दिया। जम्मू कश्मीर में अगस्त 2019 के बाद से ही सियासी गतिरोध बना हुआ है, जिसे कुछ हद तक नवंबर-दिसंबर 2020 में हुए जिला विकास काउंसिल चुनाव ने दूर करने का प्रयास किया था। इसके बाद से घाटी में राजनीतिक गतिविधियां लगभग ठप हैं। नेकां, पीडीपी, कांग्रेस और भाजपा समेत विभिन्न दलों ने अपने स्तर पर कैडर को वादी में फिर सक्रिय करने का प्रयास किया, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली। सभी राजनीतिक दल जम्मू में अपना कैडर मजबूत कर रहे। जम्मू कश्मीर राजनीतिक मामलों के जानकार आसिफ कुरैशी ने कहा विधानसभा चुनाव इसी वर्ष होने की उम्मीद है। इसलिए सभी दल अपने कैडर को फिर से लामबंद करने के लिए सक्रिय हो चुके हैं। कश्मीर में अगर राजनीतिक गतिविधियां कम नजर आ रही हैं या राजनीतिक गतिरोध बना हुआ है तो उसके लिए मौसम के अलावा राजनीतिक-सुरक्षा परिदृश्य किसी हद तक जिम्मेदार है।

कश्मीर में अक्टूबर से ठंड शुरू हो जाती है जो अप्रैल तक चलती है। ऐसे हालात में रैलियों और बैठकों में आम लोगों की भीड़ नहीं होती। इसके अलावा कश्मीर नेकां, पीडीपी, कांग्रेस और जेकेएपी जैसे दलों के नेता कश्मीर में अक्सर कश्मीरियों में अपना पैठ मजबूत बनाने के लिए परोक्ष रूप से जिहादी और अलगाववादी तत्वों के समर्थन में बयानबाजी करते हैं। इससे कश्मीर में कानून व्यवस्था का संकट पैदा हो जाता है। अक्सर पुलिस इन दलों की रैलियों और बैठकों को रोक लेती है। नेशनल कांफ्रेंस के महासचिव अली मोहम्मद सागर और कांग्रेस नेता जीएन मोंगा भी मानते हैं कि कश्मीर में ठंड ज्यादा है। इसलिए जम्मू में सभी दल अपनी गतिविधियां बढ़ा रहे हैं। वादी में ठंड जाते ही सियासी गतिविधियों में गर्माहट जम्मू की गर्मी से कहीं ज्यादा नजर आएगी। वरिष्ठ पत्रकार बिलाल बशीर ने कहा कश्मीर में लोग इस समय नेकां, पीडीपी, जेकेएपी और कांग्रेस को लेकर उदासीन हैं। इन दलों के नेताओं ने कुछ बैठकें की हैं जिनमें भीड़ नहीं थी। सभी दलों के नेताओं को लगता है कि फिलहाल वह जम्मू में अपने कैडर को लामबंद करें।

न्यूज ब्रीफ

अक्षय कुमार के साथ नजर आये धोनी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह अब अभिनेता अक्षय कुमार के साथ नजर आये हैं। धोनी की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर छायी हुई है। इस तस्वीर को धोनी के बचपन के दोस्त सीमांत लोहानी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया है। इस तस्वीर में धोनी नए हेयरस्टाइल के साथ दिख रहे हैं, और उनके बाल एकदम काले दिखाई दे रहे हैं। यह तस्वीर किसी विज्ञापन फिल्म की शूटिंग की बताई जा रही है। गौरतलब है कि कि अक्षय बॉलीवुड के सबसे फिट अभिनेताओं में से एक हैं और क्रिकेट के वह प्रशंसक रहे हैं। अक्षय फिल्म पटियाला हाउस में भी एक क्रिकेटर की भूमिका में नजर आये थे। उनकी इस तस्वीर को प्रशंसकों ने पसंद करते हुए लिखा, जर्सी नंबर 7 के साथ खिलाड़ी नंबर वन।' वहीं धोनी आईपीएल के 15वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स की कप्तानी करेंगे। धोनी की कप्तानी में चेन्नई पांचवीं बार आईपीएल खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। धोनी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है पर आईपीएल के जरिये वह क्रिकेट के मैदान में जमे हुए हैं। सीएसके ने धोनी को 12 करोड़ रुपये में रीटेन किया हैं।

मयंक होंगे पंजाब किंग्स के नये कप्तान

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर सकते हैं। मयंक ने कप्तानी की रेस में अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन को पीछे छोड़ा है। मयंक को पिछले दो सत्र में किये शानदार प्रदर्शन को देखते हुए कप्तान बनाने पर फैसला हुआ है हालांकि अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। पंजाव ने जब मेगा नीलामी में धवन को खरीदा था तब लगा कि उन्हें कप्तानी मिल सकती है पर बाद में युवा मयंक के नाम पर सहमति बनी क्योंकि अधिकतर टीमों ने कप्तानी युवा खिलाड़ियों को सौंपी है। मयंक ने आईपीएल के पिछले 2 सत्र में शानदार प्रदर्शन कर 800 से अधिक रन बनाए हैं। साल 2021 में उन्होंने 12 मैच में 441 रन बनाये थे। जिससे 4 अर्धशतक शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 140 का रहा हैं। वहीं उन्होंने साल 2020 में 11 मैच में 424 रन बनाए थे। जिसमें एक शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। पंजाब किंग्स ने आईपीएल नीलामी से पहले मयंक के अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी रीटेन किया था।

टीम ने नीलामी में धवन के अलावा कागिसो रबाडा, जॉनी बेयरस्टो और लियाम लिविंगस्टोन को भारी-भरकम राशि में खरीदा था। मयंक का प्रदर्शन ओवरऑल टी20 में शानदार रहा है और वह 159 पारियों में 26 की औसत से 3917 रन बना चुके हैं। 2 शतक और 24 अर्धशतक लगाया है। उनका स्ट्राइक रेट 135 का है। इसके अलावा मयंक ने टीम इंडिया की ओर से 19 टेस्ट और 5 वनडे खेले हैं। टेस्ट में इस बल्लेबाज ने दोहरा शतक और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में तिहरा शतक लगाया है। पंजाब किंग्स की टीम अब तक आईपीएल का खिताब नहीं जीत सकी है। ऐसे में मयंक टीम के प्रदर्शन में सुधार लाना चाहेंगे।

मैक्सिको में रुस के टेनिस स्टार डेनिल मेदवदेव स्पेन के पाब्लो एंडूजार के खिलाफ खेलते हुए।

राहुल, बुमराह और ऋषभ को भविष्य के कप्तान के लिए तैयार करेंगे : रोहित

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह भविष्य के लिए कप्तान तैयार करने की अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। रोहित ने कहा है कि उन्हें भी कप्तानी के लिए तैयार किया गया है और वे भी इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे। रोहित अभी तीनों प्रारुपों के लिए भारतीय टीम के कप्तान हैं। उन्हें उम्मीद है कि भविष्य के तीन संभावित कप्तानों लोकेश राहुल, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत नेतृत्वकर्ता के रूप में अच्छी तरह से तैयार होंगे और उन्होंने इसमें अपनी भूमिका के बारे में बात की।

रोहित ने कहा, ''मेरी भूमिका उन्हें सब कुछ बताने की नहीं होगी। वे सभी परिपक्व क्रिकेटर हैं पर किसी का उनकी मदद करने और कठिन हालातों में उनका मार्गदर्शन करने के लिये तैयार होना जरूरी है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे यह भूमिका निभाने में खुशी होगी और इसी तरह हम भी आगे बढ़े हैं और कप्तान बने हैं।'' उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया पर कहा कि वह महेंद्र सिंह धोनी थे जिनके कप्तान रहते हुए विराट कोहली और मुझे भविष्य के कप्तान के रूप में तैयार किया गया। रोहित ने कहा, ''हमें भी किसी ने तैयार किया और अब हमें यही करना है। यह नैसर्गिक प्रक्रिया है और हर किसी को इस प्रक्रिया से गुजरना होता है और यहां भी कोई अपवाद नहीं है। यदि हम बुमराह, राहुल, ऋषभ की बात करें तो इन खिलाड़ियों को भारत की सफलता में अहम भूमिका निभानी है और इसके साथ ही उन्हें भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में भी देखा जाएगा।''

वहीं बूमराह के उप कप्तान होने पर रोहित ने कहा, '' इससे ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ता कि वह बल्लेबाज है या गेंदबाज। एक खिलाड़ी के क्रिकेट ज्ञान का महत्व होता है और मुझे लगता है कि बुमराह का दिमाग बहुत तेज चलता है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने इसे करीब से देखा है।मेरा मानना है कि आने वाले समय में कप्तान की भूमिका में उतरने के लिये उसके पास अच्छा मौका है और मुझे विश्वास है कि वह अपने खेल को अगले स्तर तक ले जाएगा।'' रोहित ने इसके साथ ही कहा कि उन्हें जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में सभी मैचों में खेलने में कोई दिक्कत नहीं है और वह तभी अवकाश लेंगे जब उन्हें इसकी जरूरत महसूस होगी।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में प्रियांक के साथ पारी शुरु कर सकते हैं रोहित

लखनऊ। भारतीय टीम अगले माह श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा के जोड़ीदार के तौर पर बल्लेबाज प्रियांक पांचाल को उतार सकती है। प्रियांक को दो अन्य सलामी बल्लेबाजों मयंक अग्रवाल और शुभमन गिल के साथ रोहित के जोड़ीदार के तौर पर रखा गया है। वहीं टीम इंडिया के पूर्व कोच लालचंद राजपूत ने कहा है कि श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की अंतिम ग्यारह में पांचाल को जगह मिल सकती है। उन्होंने कहा, 'रोहित के साथ मयंक या प्रियांक पारी शुरु कर सकते हैं। साथ ही कहा कि प्रियांक के साथ पारी शुरु करने का एक बड़ा करण यह है कि वह न केवल घरेलू क्रिकेट में अच्छा कर रहे हैं, बल्कि उन्होंने भारतीय ए टीम के लिए दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भी अच्छा प्रदर्शन किया था।' राजपूत ने कहा कि भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ अपनी घरेलू धरती पर खेल रही है। इस कारण भी भारत के पास प्रयोग करने का अच्छा अवसर है और टीम प्रबंधन इसे जाया नहीं करेगा।

राजपूत ने कहा कि पारी शुरु करने के एक अन्य दावेदार लोकेश राहुल अभी तक भले ही सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलते आए हैं पर उन्हें आने वाले समय में मध्यक्रम में उतारा जा सकता है। इसका कारण यह है कि अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा के बाहर होने के कारण टीम के मध्यक्रम में जगह बनी है जिसे राहुल भर सकते हैं। उनके आने से मध्यक्रम बेहतर होगा। उन्होंने कहा, हर टीम का एक दौर होता है। जिसमें वह बेहतरीन प्रदर्शन करती है।

लिविंगस्टन पर रहेंगी नजरें

बेंगलुरु । पंजाब किंग्स को ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। पंजाब ने इस खिलाड़ी को मेगा नीलामी के बाद 11.5 करोड़ की रकम देकर खरीदा था। लिविंगस्टन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अलावा गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद ने भी बोली लगाई थी। लिविंगस्टन को मिली इस रकम ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि वह अभी क्रिकेट जगत में सबसे वांछित टी20 खिलाड़ियों में से एक हैं। पिछले 12 महीनों में लिविंग्स्टन ने अलग-

अलग टीमों की ओर से खेला है हालांकि गत वर्ष हुए टी20 विश्व कप में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। वह 5 पारियों में केवल टी20 विश्व कप में मात्र 42 रन बनाए। लिविंगस्टन ने अंतराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में केवल 20 मैच खेले हों लेकिन इस फॉर्मेट में वह विश्व की ज़्यादातर टीमों को काफी आकर्षित कर रहे हैं। इसका सबसे प्रमुख कारण है कि वह किसी भी स्थान पर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। साथ ही वह लेग ब्रेक और ऑफ ब्रेक गेंदबाजी कर सकते हैं। इसके अलावा वह एक बेहतरीन क्षेत्ररक्षक भी हैं। पंजाब की ओर से वह नंबर 4 या 5 पर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। मयंक अग्रवाल और शिखर धवन बल्लेबाज़ी की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं।

आईओए प्रमुख से टीम प्रदर्शन को लेकर मिले रीड

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के प्रमुख नरिंदर बत्रा के टीम प्रदर्शन पर सवाल उठाये जाने के बाद राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड उनसे मिले हैं। इस दौरान दोनो के बीच टीम के प्रदर्शन में आई कमी के कारण ही उसे बेहतर करने पर भी बात हुई। इससे पहले बत्रा ने कहा था कि टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है। उसके लिए उन्होंने प्रबंधन पर सवाल उठाया था। इसके बाद रीड की उनसे यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। देश के इस शीर्ष खेल प्रशासक ने हॉकी टीम के हालिया प्रदर्शन में निरंतरता की कमी पर सवाल उठाया था। बत्रा ने कहा कि रीड से बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रदर्शन पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके साथ ही हमने 2022 एशियाई खेलों तक की तैयारियों के बारे में चर्चा की जो भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों दोनों के लिए ओलंपिक क्वालीफायर है। बत्रा ने पिछले मंगलवार को हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो

निंगोमबम को कड़े शब्दों में कहा था कि पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक के बाद टीम का खराब प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि टीम का प्रबंधन सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। टीम पिछले साल दिसंबर में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब का बचाव नहीं कर सकी और फिर पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका में एफआईएच प्रो लीग के एक मैच में टीम निचली रैंकिंग वाली फ्रांस से हार गई थी। बत्रा ने कहा कि टीम जिस तरह से प्रदर्शन कर रही है वह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है और इस बात पर ध्यान देना चाहिये कि सभी स्तरों पर समस्याएं कहां हैं।

10 मार्च के बाद होंगे रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटरों की रोड सेफ्टी वर्ल्ड अगले माह सीरीज शुरु हो सकती है। यह सीरीज चार स्थलों पर खेली जा सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह टूर्नामेंट हैदराबाद, विशाखापत्तनम, लखनऊ और इंदौर में आयोजित किये जाने की संभावनाएं हैं। लखनऊ में चुनाव को देखते हुए ही ये मैच 10 मार्च के बाद ही होंगे। आयोजक इस टूर्नामेंट को फरवरी के अंतिम सप्ताह में शुरू करना चाहते हैं जबकि फाइनल मार्च के अंतिम सप्ताह तक होगा। इससे पहले रायपुर में हुए रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के उद्घाटन संस्करण में भारत, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज की टीमों ने भाग लिया था। इन देशों के क्रिकेट दिग्गजों ने पिच पर शानदार प्रदर्शन दिखाया था पर तब सचिन तेंदुलकर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने उद्घाटन संस्करण जीता था।

आर्चर का सामना करना चाहते हैं यश

नई दिल्ली। अंडर 19 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान यश ढुल का कहना है कि वह आईपीएल में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का सामना करना चाहते हैं। साथ ही वह बल्लेबाजी के दौरान सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के साथ साझेदारी बनाना चाहेंगे। यश को हाल ही में संपंन हुई आईपीएल 2022 मेगा नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने 50 लाख रुपए में खरीदी था। यश के अनुसार वह दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग से मिलने और उनके मार्गदर्शन में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, आर्चर एक ऐसा गेंदबाज है जिसका मैं सामना करना चाहता हूं। वह वास्तव में अपनी गेंदबाजी में शानदार है। वहीं रणजी ट्रॉफी में पदार्पण के बारे में बात करते हुए ढुल ने कहा कि जब उन्होंने टीम के लिए ओपनिंग करने के लिए कहा तो उन्होंने अपने को हालातों के अनुसार ढ़ाला। इसी कारण उन्हें सफलता मिली। साथ ही कहा कि मुझे खुद पर पूरा भरोसा था कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। इस खिलाड़ी ने यह यह भी कहा कि जब अंडर-19 विश्व कप के दौरान कोविड-19 के कारण टीम परेशान थी तब सलाहकार रहे पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मण सर ने टीम को प्रेरित किया। वह वीडियो कॉल के दौरान खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते थे। इसके अलावा टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने भी खिताबी मुकाबले से पहले टीम से बात कर उसका हौंसला बढ़ाया था जिसका भी हमें लाभ मिला था।

संन्यास का फैसला स्वयं खिलाड़ी को ही करना चाहिये : लालचंद राजपूत

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व कोच लालचंद राजपूत ने कहा है कि किसी भी खिलाड़ी को संन्यास की सलाह नहीं दी जा सकती है। पूर्व कोच ने यह बात टीम इंडिया के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा को लेकर कही। साहा ने हाल ही में कहा था कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ सहित टीम प्रबंधन ने उन्हें संन्यास लेने की सलाह लेते हुए कहा था कि अब उनके नाम पर विचार नहीं होगा। इसी कारण उन्हें रणजी से भी अपना नाम वापस लेना पड़ा है। साहा ने भारत की ओर से 40 टेस्ट खेले हैं। राजपूत ने कहा कि संन्यास का फैसला स्वयं खिलाड़ी को ही करना होगा। उन्होंने कहा, 'आप किसी भी खिलाड़ी को यह नहीं बोल सकते हैं कि आप संन्यास लो। हर खिलाड़ी के ऊपर यह होता है कि वह कब तक खेले और कब संन्यास ले। यह उसका फैसला होता है।' साथ ही कहा कि भले ही आप खिलाड़ियों को टीम में नहीं लें पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट और आईपीएल में तो उन्हें अवसर मिलना ही चाहिये। राजपूत के अनुसार यदि आप किसी खिलाड़ी के संन्यास की बात करते हैं तो उसके सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। चाहे तो रणजी ट्रॉफी हो या आईपीएल जबकि होना यह चाहिये कि जब तक खिलाड़ी फिट है, उसे खेलते रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अभी तक फिट है और खेल रहा है। उसने टेस्ट और एकदिवसीय से स्वयं संन्यास लिया है। उससे किसी ने कहा नहीं , अगर आप किसी खिलाड़ी को टीम इंडिया में नहीं लेते हैं तो उसे स्वयं ही इस बारे में जानकारी मिल जाती है जिससे वह खेल को अलविदा कहने के बारे में सोचने लगता है।'

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

योगी के निर्देश पर एनएसई में आनंद को ही नहीं उनकी पत्नी को भी दिया गया था मोटा पैकेज

चेन्नई । हिमालय के अज्ञात योगी के निर्देश पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में शीर्ष पद पर नियुक्त किए गए आनंद सुब्रमण्यम के अलावा उनकी पत्नी सुनीता आनंद को भी एनएसई में भारी भरकम पैकेज पर नौकरी दी गई थी। एनएसई की पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चित्रा रामकृष्ण ने एक कंपनी में 15 लाख का पैकेज पाने वाले आनंद सुब्रण्यम को एनएसई में 1.168 करोड़ रुपये पैकेज पर मुख्य रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया था। आनंद को एक अप्रैल 2013 को एनएसई में नियुक्त किया गया और उसी दिन सुनीता आनंद को 60 लाख रुपये के पैकेज पर चेन्नई के क्षेत्रीय कार्यालय में बतौर सलाहकार नियुक्त किया गया। कुछ समय बाद पति-पत्नी के पैकेज में भारी तब्दीली आई। सुनीता आनंद की सैलरी मात्र तीन साल में करीब तिगुनी बढ़कर 2016 तक 1.133 करोड़ रुपए हो गई। एक अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2014 तक सुनीता की सैलरी 60 लाख रुपए, एक अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015 तक 72 लाख रुपए, अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक 1.115 करोड़ रुपए और

अप्रैल 2016 से 1.133 करोड़ रुपए थी। हालांकि दिसंबर 2016 में ही सुनीता ने एनएसई के साथ अपना करार समाप्त कर लिया। सुनीता के पति और चित्रा के खास रहे आनंद सुब्रमणियम की सैलरी में सिर्फ वार्षिक बढोतरी नहीं रही, बल्कि उसकी सैलरी मनमाने तरीके से बढ़ाई जाती रही। आनंद सुब्रमणियम को अप्रैल 2013 से दो मार्च 2014 तक 1.168 करोड़ रुपए, तीन मार्च 2014 से पांच मई 2014 तक 2.101 करोड़, छह मई 2014 से 29 मार्च 2015 तक 2.132 करोड़, 30 मार्च 2015 से 15 अप्रैल 2015 तक 3.133 करोड़ रुपए, 16 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016 तक 3.167 करोड़ और एक अप्रैल 2016 से 4.121 करोड़ रुपए के पैकेज पर रखा गया था। आनंद ने अक्टूबर 2016 में इस्तीफा दे दिया था। चित्रा रामकृष्ण और अज्ञात योगी के बीच ईमेल से हुई बातचीत से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि आनंद दोनों व्यक्तियों के बीच का एक माध्यम था और उसी के जरिये सैलरी का एक बड़ा हिस्सा अज्ञात व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा था। सेबी ने अपनी रिपोर्ट चित्रा को उस अज्ञात व्यक्ति द्वारा 19 फरवरी 2015 को रात साढ़े आठ बजे के करीब भेजे गए ईमेल का जिक्र किया है।

न्यूज ब्रीफ

सोना 51,000 के पार, चांदी भी तेज

नई दिल्ली । रूस-यूक्रेन संकट असर भारतीय सराफा बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। बाजारों में सोना-चांदी के दामों गुरुवार को जोरदार उछाल आया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल डिलीवरी वाले सोने में 1.42 फीसदी जोरदार तेजी आई है, जिसके बाद सोना 51,000 के पार चला गया है। वहीं चांदी की कीमत में भी तेजी दर्ज की गई है। चांदी के दाम 1.40 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं अप्रैल डिलीवरी वाले सोने की कीमत 1.42 फीसदी जोरदार तेजी के साथ 51,095 रुपए प्रति 10 ग्राम के लेवल पर है। वहीं चांदी 1.40 फीसदी की तेजी के साथ 65,490 रुपए प्रति किलोग्राम के लेवल पर ट्रेड कर रही है।

रुपया 55 पैसे टूटकर 75.16 पर

मुंबई । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान की घोषणा के बाद गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 55 पैसे गिरकर 75.16 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की लगातार बिकवाली, घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 75.02 पर खुला और फिर पिछले बंद भाव से 55 पैसे की गिरावट दर्ज करते हुए 75.16 पर आ गया। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.59 प्रतिशत बढ़कर 96.75 पर आ गया।

आइकिया ने सुजैन को सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली । सोफा, बेड जैसे घर के सामान बनाने वाली स्वीडन की कंपनी आइकिया ने सुजैन पुलवेरर को अपने भारतीय कारोबार के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और मुख्य सस्टेनेबिलिटी अधिकारी (सीएसओ) नियुक्त किया है। वह यह पद संभालने वाली पहली महिला हैं। आइकिया ने कहा कि पुलवेरर आइकिया इंडिया के सीईओ और सीएसओ पीटर बेटजेल का स्थान लेंगी। यह पुलवेरर के लिए भारत में तीसरा कार्यकाल होगा। वह 1997 में आइकिया में शामिल हुई थीं और उन्होंने इंगका ग्रुप की कंपनी के अंदर विभिन्न पदों में काम किया। इस नई भूमिका से पहले वह समूह कारोबार जोखिम और अनुपालन अधिकारी के पद पर थीं।

पावरग्रिड में पीजीइनविट को 26 प्रतिशत इक्विटी हस्तांतरण की मंजूरी

नई दिल्ली । सार्वजानिक क्षेत्र की कंपनी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के निदेशक मंडल ने पावरग्रिड विजाग ट्रांसमिशन लिमिटेड में 26 प्रतिशत की शेष हिस्सेदारी पीजीइनविट को हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि पावरग्रिड के निदेशक मंडल की 23 फरवरी को हुई बैठक में पावरग्रिड विजाग ट्रांसमिशन लिमिटेड में पीजीइनविट को शेष 26 प्रतिशत इक्विटी के हस्तांतरण की मंजूरी दी गई।

रूस और यूक्रेन संघर्ष के बीच सेंसेक्स 1800 अंक टूटा, निफ्टी भी धराशायी

मुंबई । रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के चलते भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भूचाल आ गया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सूचकांक सेंसेक्स ने गुरुवार को 1850 अंक की भारी गिरावट के साथ कारोबार की शुरूआत की। हालांकि कुछ देर बाद इसमें कुछ सुधार दिखा और सूचकांक 1430 अंक की गिरावट के साथ 55,802 के स्तर पर आ गया लेकिन फिलहाल इसमें गिरावट और एक बार फिर तेज हो गई है और सेंसेक्स 1805 अंक टूटकर 55,426 पर आ गया है। दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी पर भी युद्ध का असर दिखाई दे रहा है और यह 414 अंकों की भारी गिरावट के साथ 16,648 के निचले स्तर पर खुला। बाजार खुलने के साथ ही लगभग 270 शेयरों में तेजी आई है, जबकि 1853 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई और 79 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जहां एक ओर सेंसेक्स के सारे 30 शेयर लाल निशान पर रहे, वहीं निफ्टी में यूपीएल, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील और आईसीआईसीआई बैंक सबसे ज्यादा घाटे में थे। जबकि नेस्ले मामूली लाभ के साथ एकमात्र बढ़त वाला शेयर था। टेक महिंद्रा, टीसीएस, विप्रो, एचसीएल टेक, एचडीएफसी, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति, डॉ. रेड्डी, हिंदुस्तान

यूनिलीवर और आईटीसी के शेयरों में तीन फीसदी तक की गिरावट आई है। जबकि, पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, कोटक बैंक, टाइटन, नेस्ले, सनफार्मा और एनटीपवीसी के शेयर में एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। बीते कारोबारी सत्र बुधवार को शेयर बाजार ने हरे निशान पर शुरुआत की थी, लेकिन बाजार शुरुआती तेजी को कायम नहीं रख सका और लाल निशान पर बंद हुआ था। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 68 अंक की गिरावट लेते हुए 57,232 के स्तर पर बंद हुआ था, वहीं निफ्टी 29 अंक फिसलकर 17,063 के स्तर पर बंद हुआ।

इंडियन ऑयल और डाबर ने किया समझौता

मुंबई । डाबर इंडिया और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने एक विशेष साझेदारी की घोषणा की है। इसके तहत डाबर अपने उत्पादों की बिक्री इंडियन ऑयल के डिलिवरी कर्मियों के जरिये करेगी। इससे डाबर को अपने उत्पादों के लिए देश भर में करीब 14 करोड़ इंडेन रसोई गैस के उपभोक्ता परिवारों तक सीधी पहुंच सुनिश्चित होगी। इस करार के तहत इंडियन ऑयल के इंडेन एलपीजी वितरक डाबर के लिए खुदरा कारोबारी साझेदार बन जाएंगे और वे अपने डिलिवरी कर्मियों के नेटवर्क के जरिये सीधे इंडेन एलपीजी उपभोक्ता परिवारों को डाबर की पूरी उत्पाद श्रंखला की बिक्री करने में मदद करेंगे। डाबर ने कहा कि इंडियन ऑयल और डाबर द्वारा प्रौद्योगिकी एवं सिस्टम इंटीग्रेशन का काम किया जा रहा है ताकि पूरी मूल्य श्रृंखला और खास तौर पर इंडेन एलपीजी उपयोगकताओं तक उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इस पहल से डाबर को भारतीय परिवारों के बीच इंडियन ऑयल की पहुंच का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा ग्राहकों द्वारा सीधे तौर पर ऑर्डर देने के लिए एक ऐप भी तैयार किया जा रहा है। ग्राहक उस ऐप के जरिये ऑर्डर दे सकेंगे और डाबर इंडियन ऑयल के डिलिवरी कर्मियों के जरिये उत्पादों की आपूर्ति करेगी। डाबर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस साझेदारी से हम शहरी, कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले इंडेन एलपीजी के लाखों ग्राहकों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। हम उपभोक्ता परिवारों तक सीधी पहुंच को बेहतर करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

क्रूड ऑयल 101 डॉलर के पार

मुंबई । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमेर पुतिन के सैन्य कार्रवाई के ऐलान के बाद कच्चे तेल के दामों में आग लग गई है। पूरी दुनिया में पेट्रोल-डीजल के रेट में रिकॉर्ड तोड़ इजाफा हुआ है। गुरुवार को इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम 100 डॉलर को पार कर गए हैं। पाकिस्तान में तो पेट्रोल 160 रुपए लीटर बिक रहा है। वहीं भारत में चुनाव के चलते पेट्रोल और डीजल की कीमतमें कोई बदलाव नहीं हुआ। वहीं इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम रिकॉर्ड लेवल पर हैं।

एनबीएफसी सितंबर, 2025 तक बुनियादी वित्तीय सेवा समाधान लागू करेंगी : आरबीआई

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को बुनियादी वित्तीय सेवा समाधान 30 सितंबर 2025 तक उपलब्ध कराने को कहा है। यह वैसे ही है जैसे बैंकों के लिए कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) की व्यवस्था है। इस व्यवस्था से एनबीएफसी के कामकाज का एकीकरण होगा और ग्राहकों को कहीं भी, किसी भी समय बेहतर तरीके से सेवा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा कि 10 और उससे अधिक सेवा केंद्रों वाली एनबीएफसी मिडल लेयर और एनबीएफसी अपर लेयर के अंतर्गत आने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को अनिवार्य रूप से बुनियादी वित्तीय सेवा समाधान (सीएफएसएस) उपलब्ध कराना होगा। आरबीआई ने कहा कि सीएफएसएस के तहत ग्राहकों को कहीं भी सुविधा के साथ उत्पादों और सेवाओं से संबंधित डिजिटल पेशकशों और लेनदेन की सुविधा दी जाएगी। यह व्यवस्था एनबीएफसी के कार्यों के एकीकरण करेगी। साथ ही यह केंद्रीकृत आंकड़ा और लेखा रिकॉर्ड प्रदान करेगा। इसके लिए समयसीमा 30 सितंबर, 2025 तय की गई है। हालांकि अपर लेयर वाली एनबीएफसी यह सुनिश्चित करेंगी कि सीएफएसएस कम-से-कम 70 प्रतिशत सेवा केंद्रों में 30 सितंबर, 2024 तक लागू हो। केंद्रीय बैंक के अनुसार 10 से कम सेवा केंद्रों वाली एनबीएफसी-बेस लेयर और एनबीएफसी मिडल और अपर लेयर के लिए सीएफएसएस लागू करना अनिवार्य नहीं है। हालांकि वे अपने लाभ के लिये इसे लागू कर सकती हैं।

किआ सेल्टॉस फेसलिफ्ट होगी बेस्ट सेलिंग एसयूवी सेल्टॉस

सेल्टॉस को बेहतर लुक और फीचर्स के साथ पेश करने वाली है कंपनी

नई दिल्ली । साल 2023 में किआ सेल्टॉस फेसलिफ्ट होगी। किआ मोटर्स जल्द ही अपनी बेस्ट सेलिंग एसयूवी सेल्टॉस को बेहतर लुक और फीचर्स के साथ पेश करने वाली है। नई सेल्टॉस फेसलिफ्ट को हाल ही में स्कैंडिनाविया में कोल्ड वेदर में टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। मोटे डार्क कपड़े से ढकी सेल्टॉस फेसलिफ्ट की स्पाई इमेज में बहुत कुछ पता चल रहा है। जानकारी के मुताबिक किआ सेल्टॉस फेसलिफ्ट में नई फ्रंट ग्रिल, नया हेडलैंप और नए फ्रंट बंपर के साथ ही रियर में काफी कुछ नया देखने को मिल रहा है। अपकमिंग किआ सेल्टॉस फेसलिफ्ट के इंटीरियर में भी काफी कुछ नया देखने को मिल रहा है। इसमें नए डिजाइन की स्टीयरिंग व्हील, बेहतर टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम के साथ ही अपडेटेड कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी देखने को मिलेगी।2021 किआ सेल्टॉस फेसलिफ्ट के इंजन और पावर की बात करें तो इस मिडसाइज एसयूवी में 2.0 लीटर 4 सिलिंडर पेट्रोल इंजन देखने को मिलेगा, जो कि 146बीएचपी की पावर और 179एनएम टॉर्क जेनरेट कर सकता है। नई सेल्टॉस फेसलिफ्ट में 1.6 लीटर 4 सिलिंडर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन देखने को मिल सकता है, जो कि 175बीएचपी की पावर और 264 एनएम टॉर्क जेनरेट कर सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आने वाले समय में सेल्टॉस एसयूवी का इलेक्ट्रिक वेरिएंट भी लॉन्च हो सकता है। किआ ने अब तक भारत में कोई भी इलेक्ट्रिक कार लॉन्च नहीं की है, ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही किआ की पहली इलेक्ट्रिक कार इंडियन मार्केट आ सकती है। दरअसल, लंबे समय से किआ ने भारत में अपनी पॉपुलर एसयूवी सेल्टॉस को अपडेट नहीं किया है और लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही इसका फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च हो। अब खबर आ रही है कि अगले साल की शुरुआत में किआ सेल्टॉस फेसलिफ्ट आने वाली है।

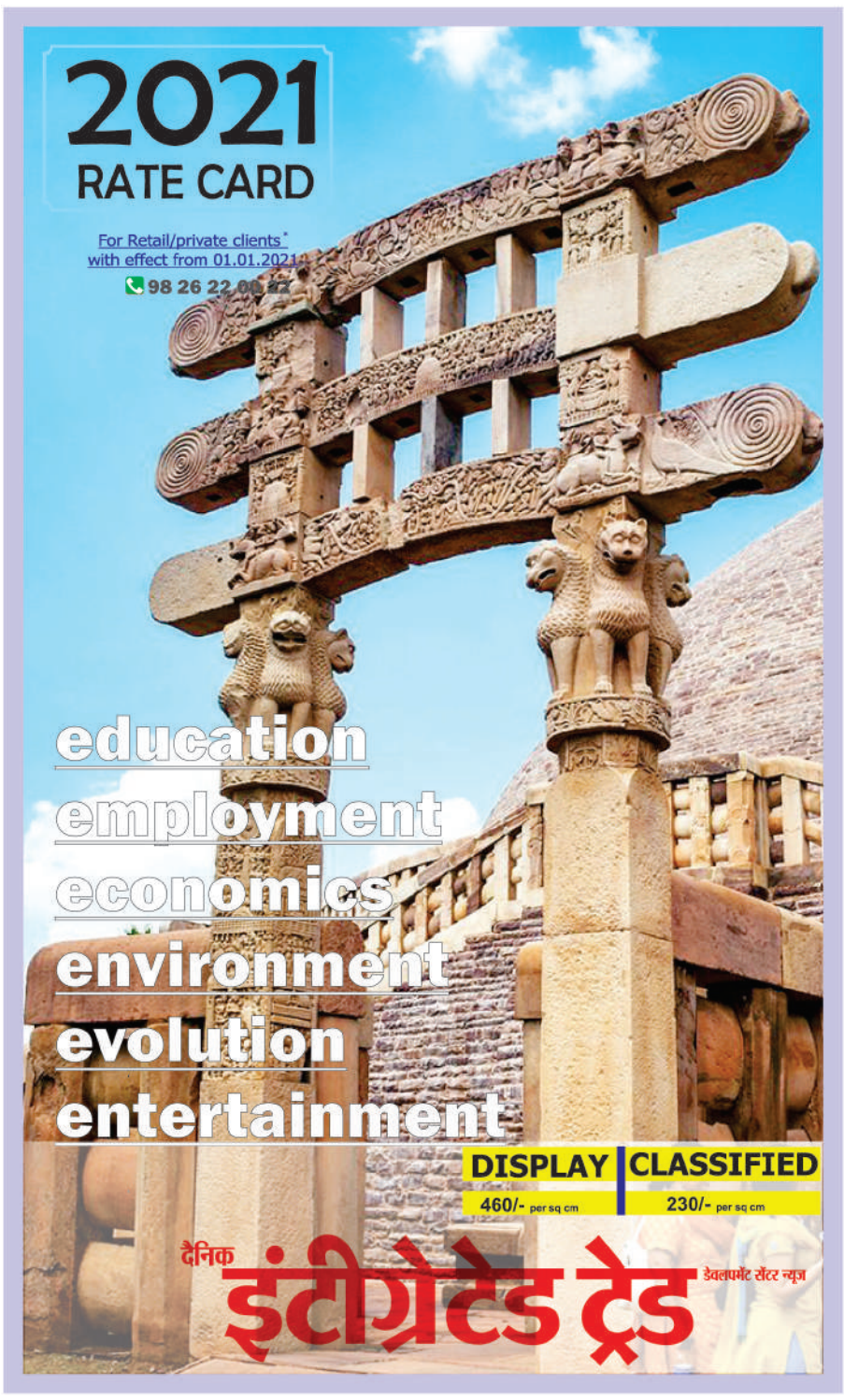

नेक्स्ट जेनरेशन मारुति ऑल्टो जल्द होगी लॉन्च

-ज्यादा स्पेस और नए फीचर्स के साथ आएगी नई ऑल्टो

नई दिल्ली । भारत में नेक्स्ट जेनरेशन मारुति ऑल्टो जल्द ही लॉन्च होने वाली है, जिसका लुक और डिजाइन बिल्कुल नया होगा। इसके साथ ही यह साइज में मौजूदा मॉडल के मुकाबले ज्यादा बड़ी और ढेर सारे नए फीचर्स से लैस होगी। नई मारुति ऑल्टो को हियरटेक्ट प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा, जिसपर एस-प्रेसो, सिलेरियो और वैगनआर जैसी हैचबैक बेस्ड है। इसमें बेहतर स्टील और सेफ्टी फीचर्स का खास खयाल रखा जाता है, ऐसे में नई ऑल्टो पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत होगी।

अपकमिंग मारुति ऑल्टो को बिल्कुल फ्रेश डिजाइन और स्टाइल के साथ पेश किया जाएगा। नई ऑल्टो मौजूदा मॉडल के मुकाबले ज्यादा बड़ी, चौड़ी और लंबी होगी। यह देखने में

काफी अच्छी होगी, जिसमें लंबी ग्रिल, नया बंपर और ज्यादा बड़े टेलगेट के साथ ही नई हेडलाइट और टेललाइट्स दिखेंगी। 2022 मारुति ऑल्टो में मौजूदा मॉडल के मुकाबले बेहतर इंटीरियर और ढेर सारे नए फीचर्स देखने को मिलेंगे। इसमें नया डैशबोर्ड और सेंट्रल कंसोल के साथ ही अपडेटेड टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, कीलेस एंट्री, इंजन स्टार्ट-स्टॉप बटन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी समेत कई खास खूबियां दिखेंगी। नई मारुति ऑल्टो को नए के10सी डूअलजेट 1.0 लीटर 3 सिलिंडर पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जाएगा, जो कि 67बीएचपी तक की पावर और 89 एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा।

इसके साथ ही 796सीसी का 3 सिलिंडर पेट्रोल इंजन भी देखने को मिलेगा, जो कि 47बीएचपी की पावर और 69 एनएम टॉर्क जेनरेट करेगा। इस हैचबैक को मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनें तरह के ट्रांसमिशन ऑप्शन में पेश किया जाएगा। मालूम हो कि भारत में सबसे ज्यादा कार बेचने वाली ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इस साल अपनी कई बेस्ट सेलिंग कारों को अपडेट करने वाली है और इन्हीं में से एक है कंपनी की सबसे सस्ती कार मारुति ऑल्टो।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र। आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)